स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटि एज्यूकेशन
आदर्श विद्यालय योजना

राजस्थान

DRAFT

बुनियादी अवधारणाओं एवं
दक्षताओं पर आधारित

विशेष अधिगम समर्थन संदर्शिका

2016-17

विषय : हिन्दी

प्राथमिक स्तर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्
माध्यमिक शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार
बोध शिक्षा समिति एवं यूनिसेफ द्वारा विकसित

सहयोगी संस्थाएँ

निदेशालय-राजस्थान

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

बोध शिक्षा समिति

यूनिसेफ, जयपुर

विशेष अधिगम समर्थन

कार्यक्रम/सामग्री/पैकेज के बारे में आवश्यक निर्देश

शिक्षक साथियो, बच्चों के लिए निर्मित की गई विशेष अधिगम समर्थन सामग्री को काम में लेने हेतु निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना आवश्यक होगा –

- पैकेज में मुख्य रूप से चार प्रकार की सामग्री को तैयार किया गया है।
- पैकेज में निर्मित दो तरह की सामग्री जिसमें आकलन पत्रक (लर्निंग लेवल आकलन पत्रक व लर्निंग आउटकम आकलन पत्रक) एवं सीखने–सिखाने की गतिविधियों को संदर्शिका में शामिल किया गया है।
- दूसरी दो तरह की सामग्री को विशेष अधिगम समर्थन सामग्री में रखा गया है। जिसको बच्चों के लिए सीखने–सिखाने की गतिविधियों पर अभ्यास हेतु अभ्यास पत्रक तथा रचनात्मक आकलन हेतु कार्यपत्रक के रूप में दिया गया है।
- संदर्शिका में दिया गया लैडर चार्ट बच्चों के साथ काम करने का प्रारूप देता है। जिसके अनुसार बच्चों के काम की योजना का निर्धारण करने में मदद मिलेगी। इसे नीचे दिए गए चार्ट द्वारा भी समझ सकते हैं।

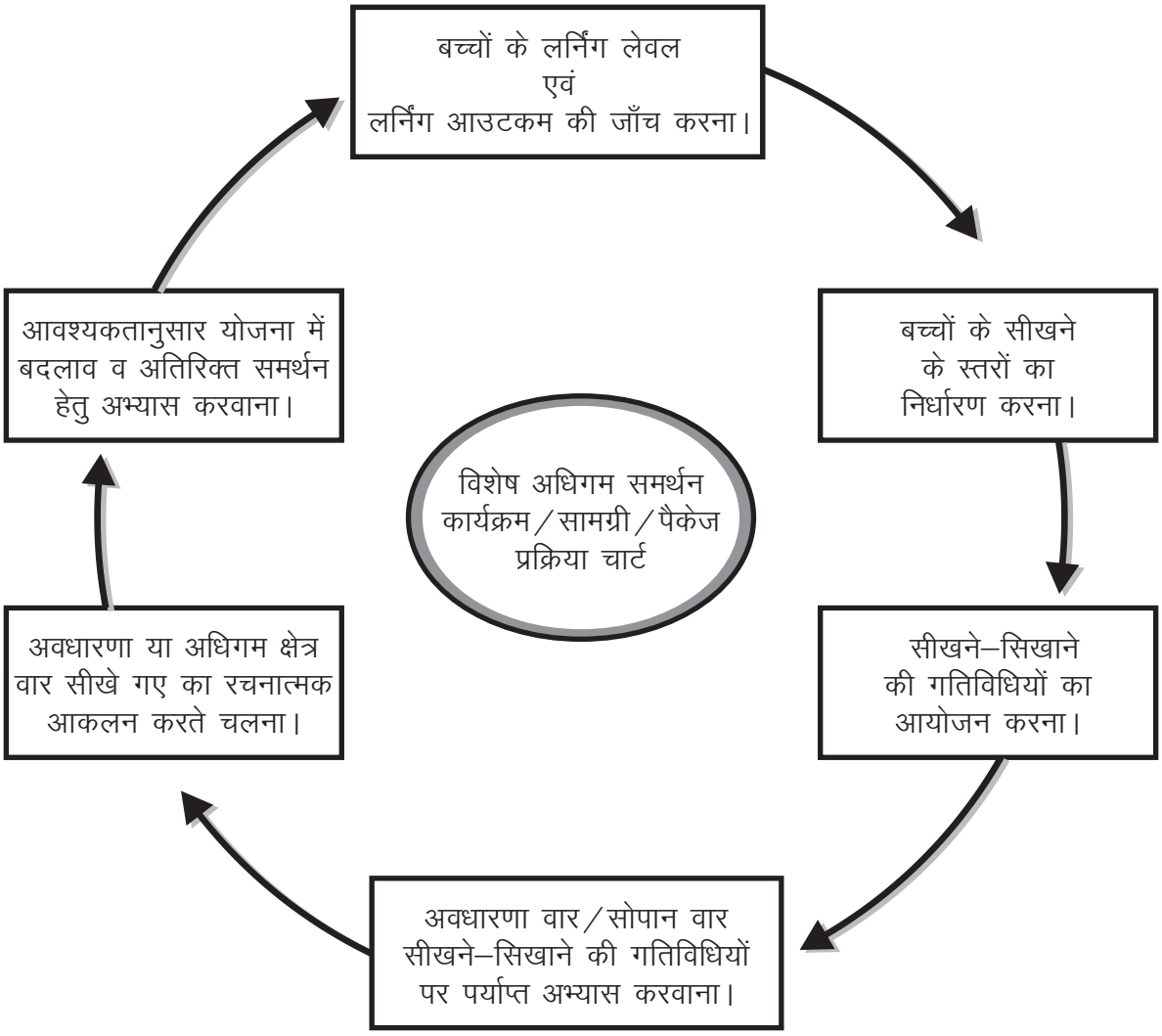

- सर्वप्रथम 'लर्निंग लेवल आकलन पत्रक' द्वारा बच्चों का स्तर निर्धारण करना है।
- स्तर–निर्धारण पश्चात् के बच्चों के साथ सीखने की शुरूआत गतिविधि द्वारा विषय के अनुसार अवधारणा की स्पष्टता के साथ करना है।
- इस पुस्तिका में मुख्यरूप से कार्ययोजना/गतिविधि तथा अभ्यास पत्रक व रचनात्मक आकलन पत्रक दिए गए हैं।
- गतिविधि द्वारा सिखाई गई अवधारणा पर अभ्यास हेतु अभ्यास पत्रक पर काम किया जाना आवश्यक है। अभ्यास पत्रक उपसमूह व व्यक्तिगत दोनों तरह से काम में लिए जा सकते हैं।
- अभ्यास पत्रकों पर अभ्यास करवाने के उपरान्त सतत आकलन हेतु रचनात्मक आकलन कार्यपत्रक का इस्तेमाल किया जाना है। सतत रचनात्मक आकलन पत्रक अवधारणा/सोपान/लैडर या दो–तीन छोटी–छोटी उपअवधारणाओं/सोपान/लैडर के लिए समेकित रूप से दिया गया है।
- आकलन पर रही स्थिति के अनुसार शिक्षक को अपनी योजना को संगठित करना है। जिन बच्चों के लिए ये अभ्यास पर्याप्त नहीं हो पाते है, उन बच्चों को इन कार्यपत्रकों के पीछे या नोटबुक में अतिरिक्त अभ्यास कराना उचित रहेगा।
- महीने के अन्त में या कक्षा के सम्पूर्ण कार्य के पश्चात् 'लर्निंग आउटकम आकलन पत्रक' द्वारा योगात्मक आकलन किया जाना है।
- इसके उपरान्त ही बच्चे का स्तर क्रमोन्नत करने का निर्णय लिया जाएगा।
- बच्चों का रचनात्मक आकलन दर्ज करने के लिए विषय के अनुसार आकलन सूचकों की सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट/आकलन प्रपत्रों में शिक्षक टिप्पणी के लिए स्थान दिया गया है। अतः इसे वहीं पर उसमें दर्ज़ किया जाना है।
- विषय के अनुसार सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट में A, B, C ग्रेड ही दी जानी हैं। जिनका अर्थ निम्न प्रकार है –

  A - स्वतंत्र रूप से कर पाना।

  B - शिक्षक व साथियों से मदद लेना।

  C - विशेष मदद से काम कर पाना।
- एक कक्षा की सामग्री लगभग एक माह की है। अतः एक माह बाद बच्चों का योगात्मक आकलन दर्ज किया जाएगा। जिसका प्रपत्र भी विशेष अधिगम समर्थन संदर्शिका में लगाया गया है। इस प्रपत्र में भी A, B, C ग्रेड देनी है। यहाँ पर इनका अर्थ रचनात्मक आकलन की ग्रेड से अलग होगा –

  A - अपेक्षित स्तर की समझ होना।

  B - मध्यम स्तर की समझ होना।

  C - आरम्भिक स्तर की समझ होना।

पृष्ठभूमि एवं संकल्पना

1

समस्या विवरण

शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य में कई चुनौतियाँ हैं, जिसमें से एक प्रमुख चुनौती है कि अपेक्षित स्तरों से नीचे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चे। इस परिदृश्य में आने वाले दो तरह के बच्चे हैं–

1. शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत स्कूलों में प्रवेश लेने वाले बच्चे, जो स्कूली शिक्षा प्रारम्भ करने की आयु से लगभग 2 से 7 वर्ष तक बड़ी आयु के हैं।
2. स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता की कमी जो कि कई कारणों से है। इन कमियों के चलते बच्चे सामान्य गति से अपेक्षित स्तर पर नहीं बढ़ पाते हैं।

यदि देखा जाए तो कक्षा पाँचवीं में अध्ययनरत लगभग 50 प्रतिशत(असर 2014 की रिपोर्ट के अनुसार 48.1 प्रतिशत बच्चे कक्षा दो के स्तर की पुस्तक को नहीं पढ़ पाते हैं।) बच्चों को प्रारंभिक स्तर का लिखना–पढ़ना भी नहीं आता है।

आयु अधिक होने के कारण ऐसे बच्चों में भाषाई कौशल एवं व्यावहारिक ज्ञान का स्तर सामान्य बच्चों (उम्र के अनुसार सही कक्षा स्तर पर अध्ययनरत) से अधिक होता है। इनकी यही विशेषता इनके तीव्र गति से सीखने का आधार बनती हैं। सीखने–सिखाने के महत्त्वपूर्ण सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए यदि शिक्षक द्वारा इन बच्चों के साथ व्यवस्थित एवं योजनाबद्ध तरीके से स्तरानुसार कार्य किया जाए तो सीखने को सुनिश्चित किया जा सकता है।

उद्देश्य / लक्ष्य

- प्रत्येक बच्चे के सीखने में उसकी अपनी गति, अकादमिक स्तर, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाओं में भागीदारी एवं अधिगम का प्रदर्शन होता है। विशेष अधिगम समर्थन के अंतर्गत ऐसे बच्चों को जो कि अपनी कक्षा के स्तर से किन्हीं कारणों से पीछे रह गए हैं उनको सीखने में समर्थन प्रदान करना है। कक्षा अनुरूप निर्धारित पाठ्यक्रम और शिक्षण तकनीकों को मद्देनज़र रखते हुए बच्चे की आवश्यकता और क्षमता के आधार पर सीखने की गतिविधियों एवं प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान करना है।
- शिक्षण प्रक्रिया के दौरान, शिक्षकों को इस प्रकार से प्रशिक्षित करना जिससे कि शिक्षक बच्चों के पारस्परिक संबंधों, पढ़ने–लिखने के कौशलों, समस्या–समाधान, संप्रेषण, स्व–अनुशासन, स्व–अध्ययन, स्वतंत्र सोच, रचनात्मक अभिवृत्ति और मूल्य, के साथ–साथ भविष्य के अध्ययन (नामांकित कक्षा स्तर) के लिए तैयार हो सकें।
- सम्पूर्ण विद्यालय स्तर पर शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं में पूरक शिक्षण सामग्री को हिस्सा बनाना।

सीखने के अन्तरालों के सापेक्ष मदद के सिद्धान्त

1. शैक्षिक स्तरों को चिह्नित करना

प्रभावी शिक्षण के लिए विशेष अधिगम समर्थन करवाने वाले शिक्षकों को बच्चों के साथ शिक्षण कार्य करने से पूर्व ही यथाशीघ्र भाषा (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं गणित की जरूरतों को चिह्नित कर लेना चाहिए जिससे कि बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उपयुक्त शिक्षण की योजना की रूपरेखा तैयार की जा सके।

बच्चों के स्तरों को कैसे जानें ?

बच्चे किस स्तर पर हैं, वे क्या जानते हैं, इसके लिए सही विश्लेषण किया जाना अति आवश्यक है, जिससे कि उनके लिए स्तरानुरूप कार्य योजना का निर्माण किया जा सके। मौखिक रूप से किए जाने वाले कार्यों की अपेक्षा बच्चों के पढ़ने व लिखने की स्थितियों को आधार रेखा के तहत देखा जा सकता है। मौखिक कार्यों को बच्चों के साथ कार्य के दौरान अवलोकन के ज़रिए भी जाना जा सकता है। अतः यहाँ पर कुछ सुझाव पढ़ने व लिखने के स्तरों को जाँचने के लिए प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जिनकी मदद से शिक्षक इस प्रकार की प्रक्रिया को अपनाते हुए स्वयं के स्तर पर कार्य कर सकते हैं।

सुझाव नं.–1

बच्चों को कुछ स्वयं के स्तर पर लिखने के लिए दें। जिसमें निर्देश दिया जाना चाहिए कि वे–

- स्वयं का नाम लिखें और जो कुछ अपने मन से शब्द लिख सकते हैं, वह भी लिखें।
- सरल दो, तीन और चार अक्षरों से युक्त/मात्रायुक्त शब्द कार्डस् की सहायता से पढ़वाकर देखें।
- जो बच्चे ऐसे शब्दों को पढ़ लें, उन्हें कुछ सरल वाक्यों एवं किसी कविता की पंक्तियों को पढ़ने के लिए दें।
- एक और काम करवा लें, 'सुनकर लिखने' (श्रुतलेख) का। जिसमें वर्ण, सरल एवं मात्रायुक्त शब्द लें।
- जो बच्चे वर्ण, सरल और मात्रायुक्त शब्दों को लिख लें, उन्हें कोई परिचित चित्र देखकर उसके बारे में दो–तीन वाक्य लिखने के लिए दें। इससे वाक्य निर्माण के स्तरों को देखने में मदद मिलेगी।

बच्चों के स्तर को जाँचने के लिए यह काफी है। इसके बाद ही बच्चों का स्तर निर्धारण कर सकते हैं। (नोट – संबंधित कार्डस् के नमूने आगे संलग्न किए गए हैं।)

सुझाव नं.–2

1. **आधार रेखा आकलन प्रपत्र द्वारा स्तर जाँच करना :**

   इसके लिए आगे उदाहरण स्वरूप कक्षावार आकलन–पत्रक दिए गए हैं। जिनकी सहायता से भी बच्चों के शैक्षिक स्तरों को जाँचने में मदद ले सकते हैं। उसके बाद बच्चों के स्तरों को किस प्रकार से देखा जाएगा, उसे आकलन की संकल्पना वाले भाग में विस्तार से दिया गया है। स्तर–निर्धारित करने के बाद ही बच्चों के साथ कार्य प्रारंभ किया जाना चाहिए।

2. **विभिन्न शिक्षण गतिविधियों का नियोजन :**

   चूँकि सभी बच्चों की भिन्न–भिन्न अकादमिक योग्यता या क्षमता होती है अतः विभिन्न स्तरों के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के बारे में चिंतन करना आवश्यक है। इसमें सरल, सहज और प्रासंगिक गतिविधियों की एक श्रृंखला बनाई जाए जिससे कि अपने स्तर के अनुरूप बच्चे सीखने का आनंद ले सकें।

3. सीखने–सिखाने की रूपरेखा तैयार करना :

विशेष अधिगम समर्थन बच्चों के सार्थक सीखने की स्थितियों हेतु भाषा वातावरण, खेल और गतिविधियाँ व्यक्तिगत रूप से सीखने के साथ–साथ उनकी रुचि और सीखने में पहल की ओर अग्रसर करता हैं।

4. शिक्षण विधाएँ :

शिक्षक को अमूर्त अवधारणाओं के लिए बच्चों के सीखने की गति और स्थिति के अनुरूप सरल और आसान चरणों के माध्यम से आगे बढ़ने से पूर्व परिवेशीय मूर्त उदाहरण देने चाहिए। बच्चे सार्थक गतिविधियों के माध्यम से विचारों को समझ सकते हैं। अतः शिक्षक विभिन्न तरीकों और अलग–अलग दृष्टिकोणों से नई अवधारणाओं को सिखा सकते हैं। शिक्षक शिक्षण सहायक सामग्री, खेल एवं गतिविधियों के लगातार प्रयोग से बच्चों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित कर सकते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

5. स्पष्ट निर्देश प्रदान करना :

बच्चे सीखने की कठिनाइयों के साथ समझने के लिए लिखित भाषा में कम सक्षम होते हैं। इसलिए विशेष अधिगम समर्थन वाले बच्चों को छोटे और स्पष्ट निर्देश दें। उनको प्रत्येक गतिविधि में सहभागी बनाने के लिए स्पष्ट निर्देश दें। यदि आवश्यक हो तो दो से तीन बार भी समझाएं जिससे कि सभी बच्चों को समझने में आसानी हो सके।

6. मुख्य बिन्दुओं का संक्षेपीकरण :

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि जो भी अवधारणा सिखाने जा रहे हैं उससे संबंधित मुख्य बिन्दुओं /कुंजी शब्दों/ वाक्यांशों को सबसे ऊपर स्पष्ट रूप से लिखें, ये बच्चों के सुनने और देखने की क्षमता के विकास के लिए आवश्यक हैं। सीखने की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए बच्चों के अपने अनुभवों, शिक्षक के अनुभवों को भी शिक्षण में सम्मिलित करें। शिक्षण कार्य के दौरान एवं समाप्ति पर मौखिक व लिखित रूप में मुख्य बिन्दुओं का दोहरान करें।

7. सीखने की वृद्धि में रुचि व प्रेरणा :

बच्चे अपने काम में लगातार कुंठा से ग्रसित, सीखने की कठिनाइयों के साथ धीरे–धीरे सीखने में अपनी रुचि खो सकते हैं, अतः बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके अनुकूल पाठ्यक्रम पर कार्य करें।

8. कक्षा–कक्षीय गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना :

सीखने की कठिनाइयों के साथ–साथ बच्चों को आमतौर पर आत्म विश्वास की कमी होती है, जिस कारण से वे कक्षा में और ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं। वे शायद ही कभी सवाल पूछते या अपने विचार व्यक्त करते हैं। विशेष अधिगम समर्थन कार्य करते समय शिक्षक धैर्यपूर्वक कक्षा में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु प्रत्येक बच्चे को प्रोत्साहित करे। सीखने के सुखद अनुभव को बढ़ाने से बच्चों के सीखने में और मदद मिल सकती है।

9. सीखने की प्रक्रिया में ध्यान देना :

शिक्षण में केवल ज्ञान के प्रसारण में ध्यान केन्द्रित नहीं किया जाना चाहिए वरन् इस प्रक्रिया से बच्चे का सीखना किस प्रकार से हो रहा है बच्चे उससे लाभान्वित हो रहे हैं या नहीं उसे देखना और समझना आवश्यक है।

10. व्यक्तिगत रूप से बच्चों के प्रदर्शन के लिए चिंता करना :

बच्चे अपने सीखने के दौरान विभिन्न समस्याओं का सामना करते हैं, अतः उनकी व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक की समस्या को देखना, समझना और उसके समाधान के लिए प्रयास करना आवश्यक है। कार्य करने के दौरान उनकी आम त्रुटियों पर ध्यान देना और तुरंत प्रभाव से उन त्रुटियों को दूर करने के लिए सही अवधारणा और ज्ञान देना आवश्यक है।

सामग्री की प्रकृति

विशेष अधिगम समर्थन पर कार्य करने के लिए एक तरह की सामग्री से कार्य नहीं करवाया जा सकता है, इसके लिए आवश्यक है कि जिस सीखने के सोपान पर बच्चों के साथ कार्य किया जा रहा है, उनके साथ उस लैडर से संबंधित अवधारणा के लिए निम्न गतिविधियों के माध्यम से कार्य करवाया जाना चाहिए, जिससे कि अवधारणा की ठीक से स्पष्टता बन सके।

1. अवधारणा की समझ के लिए प्रयोगात्मक कार्य – खास तौर से मौखिक स्तर पर उच्चारण की स्पष्टता/वर्तनी के प्रयोग की स्थिति को समझाना।
2. सही उच्चारण हेतु ऑडियो कैसेट
3. विविध गतिविधियाँ – सहायक सामग्री जैसे; कार्डस्, संदर्भ पुस्तकें/छोटे अनुच्छेद/कहानी स्तरानुसार/खेल–कविता... आदि।
4. लेखन कार्य हेतु संबंधित अभ्यास एवं आकलन कार्यपत्रक

आकलन और सीखने के रिकॉर्ड संधारण

आकलन शिक्षण और अधिगम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आकलन के माध्यम से विशेष अधिगम समर्थन कार्य करवाने वाले शिक्षक बच्चों की ताकत और कमजोरियों का पता लगा सकते हैं, जिससे वे विभिन्न शिक्षण गतिविधियों के अनुसार प्रभावी ढंग से सीखने में मदद करने के लिए अधिगम सामग्री डिजाइन कर सकते हैं।

मुख्य रूप से दो तरह के आकलन शिक्षकों को करने हैं –

1. रचनात्मक आकलन

शिक्षक प्रतिदिन कक्षा कार्य व गृहकार्य में बच्चों की स्थिति शिक्षण एवं अधिगम में किस प्रकार है, उसे नियमित रूप से देख सकते हैं तथा उसे कार्यपत्रकों पर टिप्पणी के रूप में एवं अपनी अनुभव डायरी में दर्ज कर सकते हैं। अतः उसे कार्यपत्रकों पर टिप्पणी के रूप में तथा अपनी अनुभव डायरी में प्रत्येक बच्चे की स्थिति को लिखा जा सकता है।

2. योगात्मक आकलन

किसी एक यूनिट/अवधारणा आदि के पूरा होने के बाद आवश्यक पेपर–पेंसिल आकलन–पत्रक के आधार पर आकलन कर बच्चों की शैक्षिक प्रगति को देखना।

माता–पिता के साथ सम्पर्क

बच्चों के सीखने में आ रही कठिनाइयों की शेयरिंग माता–पिता के साथ भी की जानी चाहिए, जिससे कि गृह कार्य के दौरान बच्चों को माता–पिता समर्थन प्रदान कर सकें।

कुछ माता–पिता को अपने बच्चों से अवास्तविक उम्मीद हो सकती है। ऐसे मामलों में विशेष अधिगम करवाने वाले शिक्षकों को बच्चे की विशेषताओं और क्षमताओं के बारे में माता–पिता को समझाने की आवश्यकता होती है जिससे कि वे अपने बच्चों को सीखने का सुखद वातावरण प्रदान कर सकें। इसके विपरीत कुछ माता–पिता की बहुत कम उम्मीद भी हो सकती है। शिक्षक बच्चों को समझते हैं अतः माता–पिता से हमेशा सम्पर्क साधे रहने से वे बच्चों के लिए सकारात्मक व सुखद वातावरण बनाने में मदद कर सकते हैं।

अन्य शिक्षकों व पेशेवरों के साथ समन्वयन

विशेष अधिगम समर्थन देने वाले शिक्षकों को अन्य शिक्षकों व पेशेवरों के साथ हमेशा सम्पर्क में रहना चाहिए जिससे कि वे बच्चों के साथ आ रही कठिनाइयों, समस्याओं आदि के बारे में अवगत हो सकें और उचित दिशा निर्देश प्रदान कर सकें।

सारगर्भित संक्षिप्तीकरण

यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे पाठ्यचर्या को एकीकृत तथा संदर्भीकरण के सिद्धांतों से संक्षिप्त बनाया जा सकता है। इसका मतलब पाठ्यचर्या को या शिक्षण के उद्देश्यों को कम करना नहीं अपितु सीखने की गुणवत्ता को समेकित करते हुए न्यूनतम चरणों एवं न्यूनतम समयावधि में सीखना है।

इसमें इस प्रकार की शिक्षण विधाओं को अपनया जा सकता है जिसमें एक गतिविधि के माध्यम से एक साथ कई विषयवस्तुओं पर समग्रता व समन्वयन के साथ कार्य किया जा सके। यह विषयवस्तु एक से अधिक विषयों की भी हो सकती है या फिर एक ही विषयवस्तु के भिन्न – भिन्न स्तरों को लेकर भी सिखाई जा सकती हैं।

अभ्यास गतिविधियों की प्रकृति कैसी हो ?

- पूर्व अनुभव को विषयवस्तु से जोड़कर कार्य करवाना।
- संज्ञानात्मक कौशलों का निर्माण करने के लिए अभ्यास कार्य करवाना।
- अभ्यास/गतिविधियों के संयोजन में सीखना व सीखने का आकलन, दोनों का समावेश करना।
- एक साथ एक से ज्यादा विषयवस्तु या कौशल विकसित करने हेतु गतिविधि का चयन करना।
- एक साथ कई विषय की विषय वस्तुओं के साथ समन्वय करना।

शिक्षण सामग्री का इस्तेमाल सुझाव एवं सामग्री

2

- अतिरिक्त शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग करने के दौरान भाषाई चारों कौशलों पर कार्य किया जाना आवश्यक है।
- प्रतिदिन की जाने वाली गतिविधियाँ कुछ इस प्रकार से संरचित की जाएं –

कौशल/गतिविधि	समय	निर्धारित कार्य
पढ़ना	10 मिनट	संबंधित शब्द, वर्ण , वाक्य कविता, कहानी आदि।
बातचीत, उच्चारण संबंधी ऑडियो सुनाना एवं खेल	10 मिनट	स्तर के अनुसार खेल – वर्ण/शब्द/वाक्य – कार्डस्।
लेखन	15 मिनट	संबंधित कार्यपत्रक, संबंधित शब्द/वर्ण/वाक्य आदि का श्रुतलेख।
किए गए कार्य का समेकन	05 मिनट	बच्चों के साथ किए गए कार्य की स्थिति पर बातचीत करना।

- जिस भी अवधारणा पर कार्य प्रारम्भ करने जा रहे हैं, उसपर पूर्व में मौखिक बातचीत, आवश्यक गतिविधि व सामग्री का इस्तेमाल करते हुए अवधारणा को स्पष्ट किया जाए।
- तत्पश्चात दिए गए कार्यपत्रकों पर कार्य किया जाए।
- कार्यपत्रक पर कार्य करवाने के दौरान बच्चों के कार्य का अवलोकन करते रहें जिससे कि यह समझा जा सके कि बच्चों को कहाँ पर ज्यादा समस्या आ रही है या मदद करने की आवश्यकता है।

किसी भी गतिविधि में अत्यधिक समय देने से पढ़ने–पढ़ाने की प्रक्रिया में संतुलन नहीं हो पाता है, जिसका सीधा प्रभाव बच्चों के सीखने पर पड़ता है। इसलिए कक्षा की गतिविधियों में संतुलन बनाए रखना ज़रूरी होता है।

कविता और कहानी पढ़ना

- किसी भी कविता या कहानी को कम से कम दो दिन इस्तेमाल करें। (सभी बच्चों के लिए कहानी की छोटी किताबों का होना विद्यालय में आवश्यक है, जिससे कि उनका भी पढ़ने–पढ़ाने में इस्तेमाल किया सके)
- कहानी या कविता को पढ़ने से पूर्व उसके शीर्षक पर अवश्य बातचीत/चर्चा करें। बच्चों से इस तरह के प्रश्न ज़रूर पूछें कि 'अगर कहानी या कविता का नाम ऐसा है तो कहानी या कविता में क्या होगा?' ऐसे सवाल चित्र दिखाकर भी पूछें कि 'इन चित्रों को देखकर क्या लगता है कि इस कहानी या कविता में क्या होगा?'

- शिक्षक कहानी को स्पष्ट उच्चारण व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ पढ़कर सुनाएँ, ताकि बच्चों में ''आदर्श वाचन'' की समझ बन पाए।
- शिक्षक कविता को भी स्पष्ट उच्चारण व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- कविताओं को लयबद्ध करके भी गवाएँ।
- कहानी पढने़ के बाद शिक्षक उस कहानी पर आधरित, ''क्यों '', ''कैसे '' आदि प्रश्न बच्चों से पूछें जिनमें बच्चे ज्यादा से ज्यादा वाक्यों में उत्तर दे सकें। जब किसी कहानी या कविता पर चर्चा की जाती है तो बच्चों की पढ़ने के प्रति रुचि बनती है इससे कहानी या कविता को सुनकर समझने की क्षमता का पढ़कर समझने की क्षमता के साथ संबंध बनने लगता है।
- बातचीत और हाव–भाव से कहानी या कविता पढ़ने के बाद शिक्षक कहानी या कविता के प्रत्येक शब्द पर अँगुली रखकर धीमी गति से पढ़ें। कहानी या कविता पढ़ते समय इस बात का ध्यान रखें कि प्रत्येक बच्चे के पास कहानी या कविता की अपनी प्रति हो और वे भी पाठ पर अँगुली चलाएँ। **पीछे–पीछे न दोहराएँ।** पाठ पर अँगुली चलाने से भाषा के लिखित रूप की समझ बनती है।
- शिक्षक स्वयं कहानी पढ़ने के बाद बच्चों से कहें, ''**अब मेरे जैसा कौन पढ़ेगा?**'' प्रतिदिन अलग–अलग बच्चों से पढ़वाएँ। पढ़ने के बाद बच्चों को शाबाशी ज़रूर दें। शाबाशी मिलने पर बच्चे प्रेरित होते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं।
- बच्चों से कहानी या कविता में आए उनके मनपसंद शब्दों/अक्षरों पर गोला लगाने या ढूँढने के लिए भी कहें। मनपसंद अक्षरों/शब्दों को ब्लैक बोर्ड/ज़मीन या फिर उनकी अपनी कॉपी पर लिखने के लिए कहें।
- तीन–चार दिन बाद शिक्षक कहानी या कविता के कुछ शब्द या वाक्य बोलें, बच्चे उन वाक्यों को कहानी या कविता में ढूँढकर दिखाएँ।

कार्यपत्रकों पर कार्य

- कार्यपत्रक बच्चों को देने से पूर्व उस पर विस्तार से बच्चों से बात कर लें कि उसे किस प्रकार से इस्तेमाल करना है।
- उसमें लिखी गई विषयवस्तु के बारे में बताएँ।
- दिए गए निर्देश को पढ़ने के लिए प्रेरित करें या अपने साथ अँगुली रखकर पढ़ने को कहें। निर्देश पढ़ लेने के बाद पूछें कि उन्हें इसमें क्या करना है। इससे यह समझ में आता है कि बच्चे किए जाने वाले कार्य को समझ पा रहे हैं या नहीं।
- सभी बच्चों के पास जाकर देखें कि वे किस प्रकार से कार्यपत्रक पर कार्य कर रहे हैं और जहाँ कहीं भी आपको लगता है कि समर्थन करने की आवश्यकता है, वहाँ पर समर्थन करें।

3

कक्षावार सोपान/लैडर

कक्षा – 1

1. सरल छोटी कविताओं/बालगीत दोहराना,गाना एवं अपनी बात को अपने शब्दों में सहजता के साथ कहना। परिचित चित्रों के माध्यम से शब्दों की पहचान, पढ़ना एवं लिखना।

2. सुनी हुई कविताओं/बालगीतों को सुना पाना, अपनी भाषा में सुनी कहानी आदि को बता पाना। परिचित शब्दों की वर्ण ध्वनियों को पहचानना और वर्णों को पढ़ना एवं लिखना।

3. सुनी हुई कहानी/बालगीत को अपने शब्दों में बता पाना और उनसे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे पाना।परिचित घटना आदि को बता पाना परिचित वर्णों से नवीन शब्द बनाना, पढ़ना एवं लिखना।

4. परिचित वर्ण एवं शब्दों की सहायता से सरल वाक्यों को पढ़ना एवं लिखना।

5. मात्रा की अवधारणा को समझना एवं उनका प्रयोग कर पढ़ना व लिखना।

6. मात्रायुक्त शब्दों के प्रयोग वाले वाक्यों को पढ़ना व लिखना।

7. लघु व दीर्घ मात्राओं की ध्वनियों को पहचानना एवं उनसे बने शब्दों में विभेद करते हुए पढ़ना एवं शब्द लिखना।

कक्षा : 2

1. वर्णमाला की सभी ध्वनियों का सही उच्चारण को साथ पढ़ एवं लिख पाना।

2. पठन हेतु दी गई सामग्री में से अनुस्वार, चन्द्रबिन्दु व मात्रायुक्त शब्दों को विभेद कर पाना, पढ़ एवं लिख पाना।

3. दी गई पाठ्य सामग्री का उचित गति व लय के साथ सस्वर पठन कर पाना (5से 7 वाक्यों के पठन सामग्री),

4. सरल छोटी घटना, कहानी आदि को पुनः स्मरण करके अपने शब्दों में मौखिक व लिखित रूप में अभिव्यक्त कर पाना।

5. पठित सामग्री के आधार पर प्रश्नों (कहाँ, कौन, क्या, कैसे) के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में मौखिक व लिखित रूप में दे पाना।

6. हिन्दी वर्णमाला के सभी सीखे गए वर्णों का सही–सही बनावट के साथ इस्तेमाल करते हुए नवीन मात्रायुक्त शब्दों का लेखन कर पाना।

7. संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों का अपने लेखन में इस्तेमाल करना

8. सभी सीखी गई मात्राओं आदि को इस्तेमाल करते हुए वाक्य संरचना करना।

9. पढ़ी या सुनी हुई विषयवस्तु से संबंधित प्रश्नों के उत्तर पूरे –पूरे वाक्यों में लिखना।

10. किसी चित्र/विषयवस्तु/घटना/कल्पनात्मक बिन्दु आदि के बारे में 6 से 8 वाक्यों में वर्णन कर/अपनी बात को लिखना।

कक्षा : 3

1. संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पहचानते हुए सही उच्चारण के साथ पढ़ना एवं लिखना विषयवस्तु की जटिलता के अनुसार।

2. र के विभिन्न रूपों को पहचानना और उनका पढ़ने एवं लिखने में सही उपयोग करना।

3. वाक्यों पर पदों के अनुकूल बलाघात के साथ पढ़ते हुए वाक्य की संरचना एवं भाव को समझना तथा लेखन में सही उपयोग करना।

4. पढ़ी हुयी सामग्री को समझकर उसमें आयी घटनाओं तथा विचारों को क्रमबद्ध रूप में बताना एवं लिखकर भी अभिव्यक्त करना।

5. चित्र, विषयवस्तु आदि से संबंधित दिए गए प्रसंग के आधार पर छोटी कहानी बनाकर लिखना। दूसरे द्वारा लिखी सामग्री को पढ़कर उस पर उचित टिप्पणी देना।

6. पूर्ण विराम एवं प्रश्नवाचक चिह्नों के प्रयोग को समझना और पठन तथा लेखन में उनके उपयोग को सुनिश्चित करना।

7. सरल अनुच्छेदों को पढ़ना, उससे संबंधित प्रश्नों को हल करना एवं प्रसंगानुसार शीर्षक देना।

कक्षा : 4

1. स्तरानुसार पूर्व से अधिक कठिन संयुक्ताक्षरों एवं र' के विविध रूपों से संबंधित पठन सामग्री को सही उच्चारण के साथ पढ़ना एवं लेखन में इनका सही प्रयोग करना।

2. सरल कहानियों, लेखों, कविता को धाराप्रवाह गति के साथ पढ़ना संबंधित सवालों के जवाब देना मौखिक रूप से। लेखन में संबंधित सवालों के विस्तार से उत्तर लिखना।

3. पठित कहानी, कविता को समझकर शीर्षक देना। पठित सामग्री को अपने शब्दों में संक्षिप्त कर बताना एवं लिखना।

4. पठन में पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक चिह्नों के साथ–साथ संबोधन चिह्नों के इस्तेमाल को समझना एवं लेखन में भी उनका उपयोग करना।

5. अनुमान लगाकर चित्र व वाक्यों के मध्य सहसंबंध को समझना उसे मौखिक व लिखित रूप में अभिव्यक्त करना।

6. कहानी/अनुच्छेद को संक्षिप्त कर अपनी भाषा में बताना और लिखकर प्रस्तुत करना।

7. समाचार पत्र, बाल पत्रिकाओं आदि से पढ़ी हुई सामग्री को समझकर बताना और लिखकर प्रस्तुत करना।

8. स्तरानुसार विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में कारण सहित बताना और लिखना।

9. व्याकरण की दृष्टि से वाक्य – विन्यास एवं वाक्यों में लिंग व वचन, सर्वनाम, विशेषण आदि का सही प्रयोग करना।

कक्षा : 5

1. कम प्रचलित वर्णों का एवं शब्दों को सही उच्चारण के साथ पढ़ पाना। जैसे–ड,ड़,ड. /ढ,ढ़/फ़/ज़/श्र/ऋ/द्य/क्ष आदि और इनके प्रयोग से बनने वाले शब्दों का पठन व लेखन में ठीक से प्रयोग करना।

2.पढ़ी लिखी हुई कविता , कहानी, अनुच्छेद एवं परिचित परिस्थितियों व चीज़ों को पढ़कर या सुन कर मौखिक रूप से सरल व स्पष्ट वर्णन करना एवं उसे लिखित रूप में भी अभिव्यक्त करना।

3. पठन सामग्री में आए अनुनासिक, अनुस्वार, विसर्ग आदि ध्वनियों का विभेदीकरण करते हुए पढ़ना एवं लिखना।

4. प्रश्नवाचक व विस्मयवाचक वाक्यों को उसी गति, लय व भाव के अनुसार पढ़ना। लिखित दोहरे वाक्यों व कठिन शब्दावली वाले निर्देशों को समझते हुए उनकी पालना करना तथा इनका भी अपनी लेखनी में ध्यान रखना।

5. पठित सामग्री से संबंधित प्रश्नों को पढ़कर समझना और सविस्तार व सकारण उत्तर लिखना।

6. किसी घटना, परिस्थिति या वस्तु से संबंधित वर्णन को अपने शब्दों में लिखकर व्यक्त करना।

7. उपयुक्त शब्दावली व उचित फॉरमेट के अनुसार पत्र–लेखन करना।

8. विषयवस्तु से संबंधित लेखक के मनोभावों को समझते हुए अपना मत निश्चित करना।

9. व्याकरणिक दृष्टि से संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया शब्दों की पहचान करना एवं स्वयं के लेखन व वाक्यों में उचित प्रयोग करना।

गतिविधियाँ

4

भाग (अ) पठन सामग्री

(1)

मैंने देखा एक सपना

अजगर घर रहे थे बना।
कबूतर लगा रहे थे चूना।
कप बैठा मस्ती में
जग घूमे बस्ती में ।

(2)

आसमान में पत्थर फेंका

हमने देखा तुमन देखा
आसमान में पत्थर फेंका।
रस्ते – रस्ते **अजगर** देखा,
कबूतर हाथ मलते देखा।
बस में बैठ जंगल देखा,
घर में **जहाज** चलते देखा।
जग में हाथी मचलते देखा,
कप में उछलते हिरन देखा।
हमने देखा तुमन देखा
आसमान में पत्थर फेंका।

(3)

सोचो, ऐसा होता है क्या ?

सोचो, ऐसा होता क्या?
परवत (पर्वत)पर ढोल बाजे।
बस के ऊपर मोर नाचे।
सोचो, ऐसा होता क्या?
कुँए में **अजगर** बोले
जंगल में **कबूतर** डोले

सोचो, ऐसा होता क्या?
पानी पीते **कप** से
और चाय पीते **जग** से
सोचो, ऐसा होता क्या?
घर में बैठे शेर हँसते।
बादल में चिंगारी बरसाते।
सोचो, ऐसा होता क्या?

(4)

बोल मेरी मछली

हरा समुंदर, गोपी चंदर
बोल मेरी मछली कितना पानी
इतना पानी, इतना पानी
इतना पानी, इतना पानी।
मछली कितनी सुंदर है
पानी में वो रहती है
सीप के मोती खाती है
परियों जैसी लगती है।
काली मछली, नीली मछली
मछली–मछली सुंदर मछली
आँख है उसकी मोती जैसी
झिलमिल–झिलमिल करती है।
हरा समुंदर गोपी चंदर।

(5)

सीमा नाम की एक लड़की थी। उसने एक **कबूतर** पाल रखा था। सीमा उसे प्यार से **कबू** बुलाती थी। एक दिन सीमा और कबू **घर** के बाहर बगीचे में खेल रहे थे। सीमा कागज का हवाई **जहाज** बनाकर आसमान में उड़ा रही थी और कबू आसमान में उड़ रहा था।

तभी दोनों ने घर में कुछ गिरने की आवाज़ सुनी। दोनों **घर** पर आए। सीमा ने घर का दरवाजा खोला तो उसे एक बड़ा **अजगर** दिखाई दिया। **अजगर** ने **कप** व **जग** को ज़मीन पर गिरा दिया था। सीमा और कबू दोनों अजगर को देखकर बहुत डर गए। सीमा जोर–जोर से रोने लगी। सीमा के रोने की आवाज़ सुनकर लोगों की भीड़ जमा हो गई। भीड़ में से किसी ने **अजगर** पकड़ने वाले को सूचना दी। **अजगर** पकड़ने वाला जल्दी से **बस** में बैठकर सीमा के घर पहुँच गया। उसने **अजगर** को पकड़ लिया और **बस** में डाल कर ले गया। सीमा और **कबूतर** की जान में जान आई।

(6)

चंदा मामा दूर के

चंदा मामा दूर के, साथ लिए आए तारे।
चमक रहे कितने सारे, राजमहल में जेसे जगमग।

जलते दीप कपूर के, चंदा मामा दूर के।
दूर–दूर बिखरे तारे, लगते हैं कैसे प्यारे।
गिरकर फैल गए हों जैसे, लड्डू मोती चूर के।
चंदा मामा दूर के।

(7)

एक मदारी लाया भालू
नाम था उसका मोटा कालू।
लम्बे–लम्बे उसके बाल
धीमी–धीमी उसकी चाल।

(8)

कागज़ की नाव
नाव चली भई
नाव चली।
चींटी को लेकर
नाव चली।
डगमग–डगमग
नाव चली।
न जाने किस
गाँव चली।

भाग (ब) अन्य गतिविधियाँ

वर्णमाला चार्ट पढ़ना

- सर्वप्रथम शिक्षक सही उच्चारण के साथ वर्णमाला के वर्णों की प्रत्येक लाइन पर अँगुली रखते हुए पढ़कर सुनाएं। बच्चों से सिर्फ देखने व सुनने को कहें। पुनः बच्चों से दोहरान करवाएँ।
- पुनः बच्चों से उनके कार्ड पर अँगुली रखकर स्वयं पढ़ने को कहें।
- प्रतिदिन 3–4 बच्चों को पढ़वाने का काम करवाएँ, यदि कहीं वर्णोंच्चारण में कमी लगे तो बिना टोक , आप उस ध्वनि को दो–तीन बार दोहराएं जिससे बच्चे सुनकर स्वयं के उच्चारण को ठीक कर सकें।
- यह कार्य प्रतिदिन एक बार अवश्य करें।

(वर्णमाला के दो प्रकार के चार्ट की आवश्यकता होगी – चित्र सहित व चित्र रहित)

- इस कार्य के साथ ही वर्णमाला में से बीच–बीच में से वर्णों को पूछने का कार्य भी करें।

शब्द भंडार

- पठन सामग्री में इस्तेमाल हुए विभिन्न प्रकार के शब्दों को दोहराने, पहचानने का कार्य भी नियमित रूप से करवाएं।
- शब्दों को पढ़ना उनमें आए वर्णों को पहचानना, उनको शब्द से अलग करना और पुनः जोड़कर शब्द बनाने का कार्य करें। इससे बच्चों को शब्द पढ़ने व लिखने में बार–बार अभ्यास से मदद मिलेगी।

- मौखिक रूप से शब्द श्रृंखला बनवाएँ जैसे घर – रथ– थरमस– सपेरा..... आदि। इससे उनके शब्द भंडार में वृद्धि होगी।

बारहखड़ी चार्ट पढ़ना

- सर्वप्रथम शिक्षक बड़े समूह में स्पष्ट उच्चारण के साथ बारहखड़ी की एक लाइन की प्रत्येक इकाई पर अँगुली रखते हुए पढ़कर सुनाएँ। बच्चे सिर्फ देखें और सुनें। पीछे–पीछे दोहराएँ नहीं।
- बारहखड़ी की कुछ इकाइयाँ पढ़ने के बाद शिक्षक उन इकाइयों को पुनः पढ़कर सुनाएँ। इस बार बच्चे अपनी–अपनी बारहखड़ी कार्ड पर अँगुली चलाएँ।
- प्रतिदिन अलग–अलग 3–4 बच्चों को पढ़ने का मौक़ा दें और पढ़ लेने के बाद उन्हें शाबाशी भी दें। बच्चों से बारहखड़ी की पूरी लाइन पढ़वाने के बाद उनसे बीच–बीच में से ज़रूर पूछें, जैसे अगर बच्चे ने 'प' की लाइन पढ़ी है तो उन से पूछें कि 'पू' कहाँ है या 'पै' कहाँ है आदि।
- शिक्षक बारहखड़ी की अलग–अलग इकाई में से बारहखड़ी को बोलें और बच्चों से अपने–अपने बारहखड़ी कार्ड में ढूँढने के लिए कहें, जैसे – के, डी, लु, इत्यादि।
- अगर बच्चों को बारहखड़ी की पूरी एक लाइन समझने में दिक़्क़त होती है तो एक ही अक्षर में अलग–अलग मात्राओं का प्रयोग करके उन्हें समझा सकते हैं।

खेल –गतिविधियाँ

शब्द एवं वर्ण पहचान के लिए कुछ खेल गतिविधियाँ अवश्य करवाएँ, जिससे उन्हें याद रखने में मदद मिल सके।

1. शब्द –कूद

ज़मीन पर एक चौकोर आकृति बनाकर उसमें अलग–अलग खाने बनाएँ, और उन खानों में परिचित यानि पठन सामग्री में पढ़े हुए शब्दों को लिखें और बच्चों को बारी–बारी से शिक्षक द्वारा बोले गए शब्द पर कूदने को कहें।

हवा	**अजगर**	**पानी**	**रथ**
कबूतर	**खाना**	**कप**	**बादल**
आसमान	**जग**	**जहाज**	**सीमा**
आवाज	**जंगल**	**बस**	**सपना**

2. वर्ण– कूद

शब्द–कूद खेल की ही भाँति **वर्ण कूद** खेल को खेला जाए।

शिक्षक बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बाँटें और प्रत्येक समूह को कुछ अक्षर कार्ड दें। फिर शिक्षक कोई अक्षर बोलें और बच्चे अपने समूह में उसे ढूँढें व ज़मीन पर लिखें। शिक्षक उस अक्षर को बोर्ड पर लिखकर दिखाएँ। शिक्षक ज़मीन पर

3. वर्ण खोज

शिक्षक बच्चों को उपसमूहों में बिठाकर वर्ण कार्ड दें और स्वयं भी एक कार्ड लेकर उसमें से वर्ण बोले और उपसमूहों में बच्चे अपने कार्ड में से वर्ण को खोजें और उसे अपनी कॉपी या स्लेट पर लिखें।

4. कितनी आवाज़ें

शिक्षक कोई भी शब्द बोले और बच्चों को ध्यान से सुनने को कहें। उसके बाद बच्चों से पूछें कि इस शब्द में कुल कितनी आवाज़ें हैं। पहली आवाज़ कौन सी थी, दूसरी कौन सी और तीसरी कौन सी.....। इसी कार्य को आगे बढ़ाते हुए शब्द की पहली आवाज़ से बनने

ख़ाने बनाकर उसमें कुछ अक्षर लिखें और बच्चों से किसी अक्षर पर कूदने के लिए कहें, जैसे **'ल'** पर कूदो आदि।	वाले और शब्द बताने को कहें।
5 एक–अनेक	**6 खोजो मेरे अक्षर**
शिक्षक कोई एक अक्षर ब्लैक बोर्ड पर लिखें फिर बच्चों से उस अक्षर से शुरु होने वाले शब्द बोलने के लिए कहें। बच्चे जो भी शब्द बोलें शिक्षक उन्हें बोर्ड पर लिख दें, जैसे – **'क' कबूतर, कमल, कलम,कछुआ।** इसी तरह बच्चे बारी–बारी से उस अक्षर से बनने वाले शब्द बोलें और शिक्षक लिखते जाएँ शिक्षक बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ। फिर 4–5 अक्षर ब्लैकबोर्ड पर लिख दें, जैसे – **म,ट, क**। बच्चे अपने समूह में उन अक्षरों से शब्द बनाएँ व लिखें, जैसे – **कम, कट, मट, मटक, टक, टम।** शिक्षक कोई एक शब्द स्पष्ट बोलें फिर उसी शब्द को तोड़कर धीरे–धीरे बोलें, जैसे – **'चाची', 'चा', 'ची'**। बच्चों से पूछें इस शब्द में सबसे पहली आवाज़ कौन सी सुनाई देती है और आख़िरी आवाज़ कौन सी सुनाई देती है? इसी तरह शिक्षक शब्द बोलें और बच्चे उसे तोड़कर उसकी आवाज़ बताएँ। **चाची ची चा**	शिक्षक कोई एक अक्षर ब्लैक बोर्ड पर लिखें और उस अक्षर को पढ़ाई गई कहानी/कविता में से ढूँढ कर उस पर गोला लगाने को कहें। उस अक्षर को बच्चों से ज़मीन पर या कॉपी पर लिखने को भी कहें।
7 कितनी आवाजें	**8 तुकवाले शब्द**
शिक्षक बच्चों के साथ शब्दों को तोड़ो और जोड़ो की गतिविधि करवाएँ, **जैसेः– रमेश र, मे, श।** आप बच्चों से रमेश शब्द में पहली, दूसरी और तीसरी आवाज़ कौन–कौन सी है, पूछें। जैसे– **'रमेश'** में पहली आवाज़– **'र'**, दूसरी आवाज़ – **'मे'** और तीसरी आवाज़ – **'श'**। इस कार्य को प्रारंभ में जितना अधिक हो सके करवाएं। सावधानी की बात यह रखनी होगी कि बच्चे स्वयं ही उन अक्षरों की आवाज़ों को निकालें आप उन्हें बताने की कोशिश न करें।	शिक्षक कोई एक शब्द ब्लैक बोर्ड पर लिखें और उससे मिलते–जुलते शब्द धीरे–धीरे बोलें जैसे : ताला, माल, जाला आदि। फिर बच्चों से ऐसे ही मिलते–जुलते अन्य शब्द बोलने को कहें प्रतिदिन अलग मात्राओं से यह खेल खेलें। मिलते–जुलते शब्द अर्थपूर्ण व अर्थहीन दोनों ही हो सकते हैं।
9 शब्दों की अंत्याक्षरी	**10 सारणी (सूची) बनाइए**
शिक्षक सभी बच्चों के दो या चार समूह बनाएँ और एक शब्द बोलें। फिर पहले समूह से उस शब्द की आख़िरी आवाज़ पूछें, जैसे– **'म'**। दूसरे समूह को **'म'** से बनने वाला कोई शब्द बताना होगा जैसी – **मछली**। इस तरह बारी–बारी से हर समूह बोले गए शब्द की आख़िरी आवाज़ से शुरू होने वाला नया शब्द बोलेगा।	शिक्षक बच्चों से उनकी मनपसन्द चीज़ों के बारे में बातचीत करें, जैसे , खेलने की चीज़ें, खाने –पीने की चीज़ें, पहनने की चीज़ें, घूमने की जगह आदि। बच्चे पहले बोलें और फिर कॉपी पर इन चीज़ों की सूची बनाएँ।
11 श्रुतलेख (सुनकर लिखिए)	**12 बारहखड़ी से शब्द निर्माण**
शिक्षक कुछ शब्द बोलें। बच्चे उन शब्दों को सुनकर कॉपी पर लिखें। लिखने के बाद शिक्षक बच्चों की कॉपी आपस में बदल दें। शिक्षक बोले गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और	शिक्षक बारहखड़ी की दो लाईन ब्लैकबोर्ड पर लिखें। उन्हीं दो लाइनों से कुछ शब्द बनाकर बच्चों को समझाएँ। उसके बाद प्रत्येक बच्चे

बच्चे एक–दूसरे के शब्दों को बोर्ड से देखकर जाँचें।	को बारहखड़ी से शब्द बनाकर कॉपी, ज़मीन पर लिखने के लिए कहें।

शब्द निर्माण की गतिविधियाँ : कक्षा में बच्चों से रोज़ाना शब्द निर्माण की गतिविधियाँ ज़रूर कराएँ ताकि बच्चे अक्षर और मात्राओं को जोड़कर शब्द बनाने का अभ्यास समझ के साथ कर सकें, जैसेः–मिलते–जुलते शब्द, तोड़ो–जोड़ो, अक्षर से शब्द, बारहखड़ी से शब्द आदि।

शब्द भण्डार की गतिविधियाँ : शब्द भण्डार की गतिविधियाँ कुछ इस प्रकार की होनी चाहिए जिनसे बच्चे ज़्यादा से ज़्यादा शब्द कक्षा में बोलें और उनका इस्तेमाल कर पाएँ, जैसे–सोच–सोच सूची, माइंड मैपिंग, एक से अनेक, शब्दों की अंताक्षरी और खुल जा सिमसिम आदि।

शब्द–चित्र कार्ड गतिविधि

आओ पढ़ें : शब्द–चित्र कार्ड पर कार्य ; विभिन्न चरणों के साथ

- चित्र–शब्द कार्ड सैट में लिखे नाम को मानक भाषा में जानने हेतु आप बच्चों की मदद करें। बच्चे अपनी स्थानीय भाषा में किसी कार्ड या वस्तु का नाम बोलें तो उसे भी स्वीकार करें। जैसे– चूहे वाला चित्र देखकर बच्चा अपनी भाषा में कह सकता है,जैसे– मूषा है। आप बच्चों को कहें कि इसे चूहा भी कहते हैं।
- बच्चों के साथ शब्द की प्रथम ध्वनि पहचान पर कार्य करवाएं,जैसे– शिक्षक कोई शब्द लिखा कार्ड दिखाते हुए उसका नाम बोलें– जैसे – अनार। फिर बच्चों से पूछें कि अनार में सबसे पहले किसकी आवाज़ आ रही है या सबसे पहले क्या / कौन सा अक्षर बोला गया? बच्चे द्वारा बोले गए अक्षर के नाम 'अ' लिखा कार्ड दिखाते हुए पूछें कि ऐसा अक्षर है क्या, इसे कैसे बोलते हैं? इस प्रकार के अभ्यास अलग–अलग शब्दों के प्रथम अक्षरों के बारे में बात करें।
- बच्चों द्वारा बताई गई ध्वनि से आरंभ होने वाले शब्द पूछें, जैसे – अ से शुरू होने वाले अन्य शब्द बताओ?बच्चे बता सकते हैं कि अमरूद, अलग, अमृता, अब....इत्यादि। यह कार्य सभी शब्द–चित्र कार्डों के साथ दोहराएं।
- बच्चों से अंतराल के साथ बोली गई ध्वनियों को जोड़कर शब्द बनाने एवं उनको जोड़कर उच्चारित करके बोलने का कार्य करवाएं। यह कार्य दो–दो के जोड़े में बच्चों को स्वयं बनाने को भी दिया जा सकता है।
- इसी प्रकार शब्द की ध्वनियों को अंतराल के साथ बोलने का कार्य भी करवाया जा सकता है। जैसे – आपने कप शब्द दिखाया और बच्चों से पूछा कि वे पहली और दूसरी दोनों आवाजों को अलग–अलग बोलकर बताएं। उपरोक्त सभी प्रकार के कार्यों के लिए चित्र–शब्द, शब्द एवं वर्ण कार्डों को प्रयोग में लें।

नए शब्दों के निर्माण हेतु सामग्री :

सीखे गए वर्णों से नए शब्द बनाना: कम्पोजिंग स्टिक /वर्ण कार्ड के माध्यम से

1. **कम्पोजिंग स्टिक तैयार करने की विधि** : कम्पोजिंग स्टिक बनाने के लिए एक कार्ड शीट की लगभग 12 इंच लम्बी और ढाई इंच चौड़ी पट्टी काटें और एक उतनी ही लम्बी और सवा इंच चौड़ी दूसरी पट्टी लें तथा दोनों पट्टियों को एक –दूसरे के ऊपर इस प्रकार से चिपकाएं कि एक ओर से वह खुली रहे जिससे अंदर की ओर छोटे वर्ण कार्ड फँसाए जा सकें। इसी प्रकार से वर्ण कार्ड बनाने के लिए लगभग दो इंच लम्बे और डेढ़ इंच चौड़े कार्ड बनाएं जिनके बीच में एक रेखा खींच कर उस रेखा की एक ओर वर्ण लिखें और एक ओर उसे खाली छोड़ दें जिससे कि स्टिक के अंदर कार्ड का खाली भाग डालने पर वर्ण बाहर की ओर दिखाई दे सके। वर्णों की मात्रा ज्यादा बना लें जिससे बच्चों को कार्य करने के दौरान शब्द बनाने

में कार्ड कम न पड़ें। इसी प्रकार स्टिक भी एक कक्षा में जितने बच्चे हों उससे आधी मात्रा में हों तो दो–दो के जोड़े में शब्द बनाने का कार्य करना आसान हो जाएगा।

2. **यदि कम्पोजिंग स्टिक न हों तो केवल वर्ण कार्ड** का प्रयोग भी किया जा सकता है। किसी ट्रे में वर्ण कार्ड रख दें और बच्चे उनमें से छाँटकर वर्णकार्ड के माध्यम से शब्द बना सकते हैं। बच्चे जितने वर्ण सीखते जाएं उनसे नए शब्दों की संरचना करने उन्हें पढ़ने और लिखने का कार्य एक–दूसरे साथी विद्यार्थी के साथ मिलकर करें। शिक्षक फेसीलिटेटर की भूमिका में बच्चों को इस दौरान आवश्यकतानुसार मदद करें।

मात्रा अवधारणा की पहचान हेतु गतिविधि :

मात्रा पहचान पर कार्यः

बच्चों ने अब तक कई सारे नए शब्द बनाना सीख लिया होगा इसमें हो सकता है कुछ शब्द मात्रा वाले भी हो सकते हैं। बच्चों को उन्हीं शब्दों में से एक–दो मात्रा वाले शब्द लेकर मात्रा ध्वनि की अवधारणा पर कार्य करवाएं। बोर्ड पर एक शब्द, जैसे – बकरी लिखें और उनका ध्यान बकरी की अन्तिम ध्वनि पर केन्द्रित करें और पूछें कि कैसी आवाज़ आ रही है। बच्चों के द्वारा बताया जाएगा 'री'। अब आप बच्चों को कहें कि अपने दोनों हाथों को अपने कानों के ऊपर रखते हुए मुँह से बोलें – 'री.....और इसे बोलते हुए हाथों को अपने कानों पर से हटाते जाएं। अब उनसे पूछें कि कैसी आवाज़ अन्त तक सुनाई दी। बच्चों के द्वारा स्वयं ही बताया जाएगा कि – 'ई' की आवाज़ आई। इस क्रिया को आप इसी शब्द के साथ तीन–चार बार करवाएं। और अब बारी है मात्रा वाले शब्द व बिना मात्रा वाले अक्षर की आवाज़ में अंतर को पहचानने की। इस बार आप बोर्ड पर दो अक्षर लिखें – 'र' और 'री' अब पूछें कि इन दोनों की कैसी–कैसी आवाज़ है। बच्चों के द्वारा निश्चित ही इन आवाज़ों को ठीक–ठीक उच्चारित किया जाएगा। शिक्षक को चाहिए कि अब वह बच्चों को यह बताएं कि 'री' में से जो आवाज़ उन्होंने निकालकर बताई थी उसे कैसे लिखा जाता है और जब उसकी आवाज़ को दूसरे अक्षर के साथ लिखा जाता है तो उसका आकार कैसा होता है। री – ई– ी – र – री। इस प्रक्रिया को धैर्य के साथ एवं बार–बार अभ्यास के लिए करवाएं। इसी प्रकार अन्य मात्राओं की पहचान के लिए भी और शब्द लेते हुए इसी प्रक्रिया को आधार बनाकर बच्चों के साथ मात्रा पर कार्य करवाएं। पठन के साथ –साथ मात्रायुक्त शब्दों का लेखन का भी अभ्यास करवाएं।

कहानी से सम्बधित गतिविधि :

वाक्य, घटनाएँ एवं कहानियाँ पढ़ना और समझना :(पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से)

शिक्षक साथी संबंधित पाठ्यपुस्तक की कहानियों को चित्र के माध्यम से बच्चों के मध्य मौखिक रूप से सुनाएं। कहानियाँ, घटनाएँ,वृतांत, वर्णन सुनाने के दौरान यह ध्यान रखें कि बच्चों को सोचने और प्रतिक्रिया करने का अवसर मिले। बच्चों की कल्पनाशक्ति को अवसर दें और विचारों को शब्दों में अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। संवाद के दौरान आए नवीन शब्दों पर चर्चा करें। इन शब्दों के भावार्थ को व्यक्त करने वाले सरल शब्दों को बच्चों को बताएँ। नवीन शब्द और उनके समानार्थक सरल शब्दों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें। बच्चों को उन्हें दोहराने और नए वाक्य गढ़ने को प्रेरित करें।

कप	नल	बस	जग	तन
सब	मन	रब	बल	थन
हल	घर	चल	सब	टन
गन	छत	रथ	फल	घट
धन	नर	नभ	सज	मर
कब	झट	अब	बल	सर
तब	पल	रन	कल	चल

मटर	अमर	बतख	गगन
मगन	नजर	नमक	सफ़र
जलन	सबक	कमर	टपक
फ़सल	सड़क	पलक	बटन
सबक	बरस	रहम	पवन
महल	नगर	अमर	कमल
रबर	गरम	शहर	अजर
महक	रपट	मगर	कलश

कसरत	नटखट	खटमल	थरमस
हलचल	करवट	टमाटर	बरगद
बनठन	बरतन	सरपट	नफ़रत
दमकल	शरबत	अजगर	अदरक
झटपट	कसरत	जमघट	अचकन

पोती	केला	खीर	रोटी
शेर	कौआ	पंखा	चीनी
दादी	पान	चूहा	चूड़ी
थैला	पीठ	पानी	दही
कील	ताला	आम	कुत्ता
मेला	चीता	दूध	झूला
पेड़	गधा	गाय	नदी
घड़ा	घोड़ा	चित्र	चींटी
पौधा	गाड़ी	हाथी	घास
देश	बैल	कथा	झील
मौसी	मोर	हाथ	घड़ी

तराजू	भगोना	करेला
जलेबी	गाजर	लोमड़ी
कचौड़ी	नौकर	दीवार
साबुन	कमीज	आकाश
मछली	सुबह	कोयल
किताब	तितली	भेड़िया
चिड़िया	बादल	टोकरी
मोगरा	लड़का	मेंढक
बकरी	चमेली	पायल
बारिश	कछुआ	किनारा

चावल	गमला	रसोई
तबला	जहाज	तालाब
पहिया	गिलास	ढोलक
मशीन	मौसम	डाकिया
बाजार	ओखली	गुलाब
फाटक	हिरन	मकड़ी
दिवाली	ताकत	शरीर
बैंगन	लड़का	धनुष
खिलौना	भारत	सूरज
आदमी	धरती	किनारा

आसमान	शरारती	तलवार
गिलहरी	गुड़हल	रामलीला
समाचार	अख़बार	दरवाजा
नमकीन	खरगोश	नारियल
पाठशाला	कलाकार	बरसात
बलवान	कबूतर	खरबूजा
टमाटर	बुलबुल	यजमान
धनवान	षटकोण	विद्यालय
तरबूज	रेलगाड़ी	तरकारी
नागराज	छिपकली	मशहूर

तस्वीर	बस्ता	लड्डू	गुच्छे
चश्मा	हल्का	हल्ला	रास्ता
बच्चा	प्यारे	डिब्बा	दिल्ली
चप्पल	स्केल	रस्सा	मक्खी
मिट्टी	छप्पन	मच्छर	चिट्ठी
ग्यारह	खच्चर	कुल्फी	पत्थर
सब्जी	जल्दी	कुत्ता	मक्का
बस्ता	भुट्टा	मट्ठा	दफ़्तर
पत्ता	पिल्ला	गट्ठर	गड्ढा

चंदा	कंधा	गंगा	जंग
पतंग	पंख	पंखा	रंग
बंदर	अंगद	हंस	कंचन
सुंदर	कंघा	पिंजरा	ईंट
कंचन	घंटी	रंगीला	पंजाब
चाँद	फँस	माँद	पाँव
बाँस	साँप	बाँसुरी	पूँछ
ऊँट	आँख	दाँत	छाँव
आँगन	आँवला	गाँव	झाँक
मुँह	हँस	यहाँ	कहाँ
काँच	धुआँ	मूँछ	कुआँ

ट	ड	क	ग	ब	स
न	ल	अ	ज	त	थ
ख	घ	ध	इ	द	र
म	ल	प	व	च	ह
य	श	उ	ए	ऊ	ष
च	छ	क्ष	झ	ट	ठ
ड	ढ	फ	भ	ज्ञ	श्र
अ	उ	ट	ई	आ	उ

नल	मटर	आम
बकरी	बस	अनार
मछली	कप	पतंग
बरगद	कटहल	जल
नगर	रपट	सरपट

ख	आ	ज	ब
थ	ग	ल	म
ह	ध	र	श
न	क	प	स
अ	ट	ग	द

दादा	पापा	मामा	बादल	दाल
दीवार	किताब	दिन	कील	तितली
खीर	सूरज	फूल	काका	गुड़
गैस	धनिया	दुकान	दूध	सेब
गोबर	कक्षा	कौआ	ओस	और
हलुआ	मोटा	शोर	बिल्ली	उत्तर
मम्मी	बस्ता	चश्मा	लड्डू	चप्पल

संयुक्ताक्षर संबंधी कार्ड्स

पिल्ला	भुट्टा
बस्ता	गट्ठर
मक्खन	मट्ठा
प्यार	गड्ढा
सूर्य	कुर्ता
प्रेम	क्रम
पर्वत	ट्रक

मद्रास	ड्रम
ढक्कन	चक्कर
मच्छर	पत्थर
कच्चा	पक्का
कर्म	धर्म
प्याज	रास्ता
मक्खी	बिल्ली

वाक्य पट्टिकाएँ

पान का पत्ता खाने से मुँह लाल हो जाता है।
हम पर्यावरण की पुस्तक पढ़ते हैं।
पच्चीस पैसे के सिक्के को चवन्नी भी कहते हैं।
बच्चे मिलकर कार्य करते हैं।
यहाँ पर पेडों को क्रम से लगाया गया है।
ट्रक में बहुत सी बिल्लियाँ हैं।

कुत्ते के बच्चे को पिल्ला कहते हैं।
सूर्य और चन्द्रमा आसमान में दिखाई देते हैं।
हम दोनों बहुत अच्छे मित्र हैं।
हमारी कक्षा में बहत्तर विद्यार्थी हैं।
हम सुबह नाश्ता करने के पश्चात विद्यालय जाते हैं।
मक्खी दिल्ली से टिड्डे को लाई।

वाक्य संरचना हेतु चित्र चार्ट

कहानी कार्ड नमूना :

मुनिया ने पाया सोना

एक चिड़िया थी, उसका नाम था मुनिया। एक दिन उसे बहुत भूख लगी वो उड़ते–उड़ते एक बगीचे में जा पहुँची। वहाँ उसे एक सुनहरा बेर मिला। वो बेर को चोंच में दबा कर एक ऊँचे पेड़ पर जा बैठी। मुनिया का मन गाने को किया, पर जैसे ही मुनिया ने गाने के लिये मुँह खोला बेर नीचे गिर गया। मुनिया ने बेर बहुत ढूँढ़ा पर उसे नहीं मिला। वो हर रोज उस पेड़ के नीचे आती और सुनहरा बेर ढूँढ़ती। एक दिन उसने देखा कि जहाँ उसका बेर गिरा था, वहाँ छोटा सा पौधा निकल आया है। मुनिया को पौधा अच्छा लगने लगा। वो पौधे को देखने के लिये रोज आने लगी। कुछ दिन बाद एक खरगोश ने उस पौधे को देखा। पौधे की नरम–नरम पत्तियाँ देखकर खरगोश उसे खाने को बढ़ा। मुनिया यह सब देख रही थी। वह थोड़ा–सा डर गयी। जैसे ही खरगोश ने पौधा खाने के लिये मुँह बढ़ाया, मुनिया गुस्से में चीखी। खरगोश चीख सुनकर भाग खड़ा हुआ। मुनिया को पौधे की चिन्ता हो गई। वो उसको बचाना चाहती थी। उसने घास–फूस और तिनके इकट्ठे किये और पौधे के आस–पास एक दीवार बना दी। पौधा अब सुरक्षित था। मुनिया वहाँ अपने दोस्तों के साथ आती, खेलती और पौधे की देखभाल भी करती। देखते–देखते पौधा बड़ा होने लगा और फिर एक हरा–भरा पेड़ बन गया। एक दिन मुनिया को बहुत हैरानी हुई कि उस पेड़ पर एक बेर लगा हुआ है। वो बेर बिल्कुल ऐसा सुनहरा था जैसा एक दिन उसने खोया था। मुनिया बहुत खुश हुई। कुछ दिनों बाद उस पेड़ पर बहुत सारे बेर आ गए। मुनिया ने अपने दोस्तों के साथ खूब बेर खाए और बहुत मजे किये।

मौखिक बातचीत के बिन्दु :

1. जब मुनिया को भूख लगी थी और जब वह बगीचे में आई तो उसे क्या मिला ?
2. मुनिया के मुँह से बेर कैसे गिर गया ?
3. जब खरगोश पौधे के पत्ते खाने के लिये आगे बढ़ा तो मुनिया ने क्या किया?
4. मुनिया को क्या देख कर हैरानी/ताज्जुब/आश्चर्य हुआ ?
5. खरगोश क्या खाता है, चिड़िया क्या खाती है और आप क्या खाते हो ?

   अ) गधे ने किसकी खाल पहन ली ?

   ब) खाल पहनकर गधा कहाँ गया ?

   स) खाल को किसने उठा दिया ?

   द) जानवर गधे से क्या बोले ?

चित्र दृश्यों पर बातचीत हेतु नमूनेः

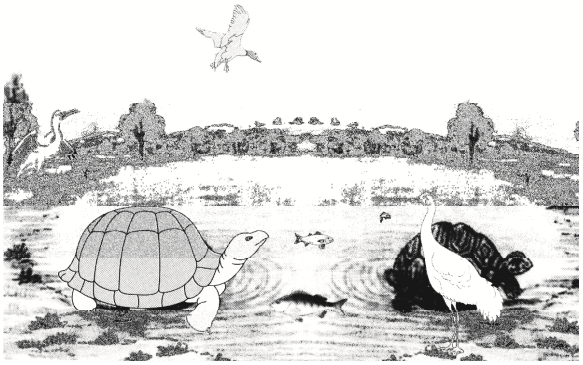

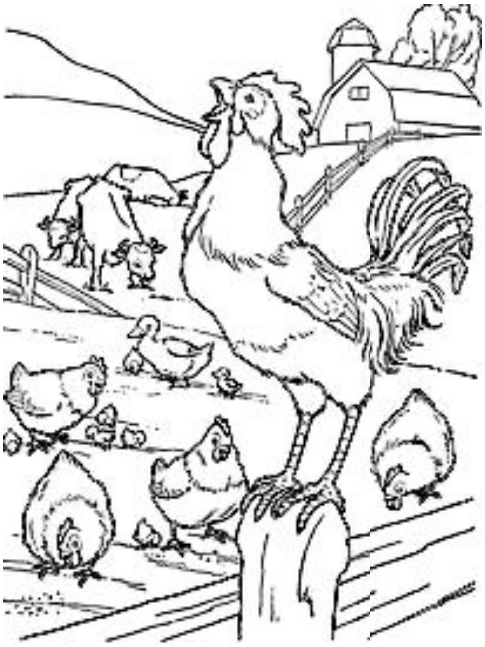

5

कार्ययोजना

कार्य योजना एवं गतिविधियाँ

लैडर – 1			कक्षा – 1
क्र. सं	भाषाई कौशल/ अवधारणा	शिक्षण अधिगम प्रक्रियाएं	शिक्षण अधिगम सामग्री
1.1	• सरल छोटी कविताओं/ बालगीत दोहराना, गाना एवं अपनी बात को अपने शब्दों में सहजता के साथ कहना।	• सरल छोटी कविता/बालगीत का हाव–भाव के साथ गायन एवं अंगुली रखकर पठन करना। • समूह में सुनी हुई कहानी/कविता/बालगीत को सुनाना। • सीखे गए बालगीत एवं उनके कुंजी शब्दों का पुनर्अभ्यास करना।	• कविता एवं कहानी कार्ड/चार्ट, • कविता, कहानियों का संकलन
1.2	• संदर्भ के अनुसार कुंजी शब्दों की पहचान , पढ़ना एवं लिखना।	• सरल शब्दों का अभ्यास फ्लैश कार्ड के माध्यम से बार–बार करना एवं बातचीत करना। • शब्दों का स्वतंत्र पठन करना एवं लिखने का अभ्यास करना। • शब्दों /नामों की प्रथम,अंतिम ध्वनि का विभेद करना एवं इनसे बनने वाले शब्दों का अभ्यास करना। • सीखे गए वर्णो को पढ़ना एवं उसका उपयोग नए शब्दों को बनाने में करना। • सीखे गए वर्णों से नए शब्द लेखन करना।	• शब्द चित्र फ्लेश कार्ड, • वर्ण कार्ड, • वर्ण पट्टिकाएँ • अभ्यास पत्रक क्रमांक 1, 2, 3 • आकलन पत्रक AW-1
लैडर – 2			कक्षा – 1
2.1	• वर्णमाला की सभी ध्वनियों को सही उच्चारण के साथ पढ़ना एवं लिखना।	• शिक्षक द्वारा वर्णमाला चार्ट के माध्यम से मौखिक बातचीत एवं वर्णों का स्पष्ट उच्चारण करवाना। • वर्णमाला के वर्ण पहचान हेतु वर्ण–कूद खेल को माध्यम बनाना। • घर भरो खेल कार्ड के माध्यम से छूटे वर्णों	• वर्णमाला चार्ट – चित्र सहित एवं चित्र रहित। • घर भरो कार्ड • अभ्यास पत्रक–4, 5, 6, 7, 8 • आकलन पत्रक–AW-2

		को पूरा करवाना। • वर्णमाला के वर्णों को कार्यपत्रकों में दिए गए अनुसार पठन–लेखन अभ्यास करवाना। • वर्णमाला के वर्णों का श्रुतलेखन करवाना।	
2.2	• नवीन शब्दों की संरचना	• वर्णों से मिलाकर दो, तीन, चार वर्णों के शब्दों की संरचना के लिए पठन कार्ड्स का प्रयोग करते हुए शब्दों को पढ़वाना। • स्वयं शब्द बनाना एवं पढ़ना।	• घर भरो कार्ड • दो, तीन, चार वर्ण युक्त शब्द कार्ड्स • अभ्यास पत्रक–9, 10, 11, 12 • आकलन पत्रक–AW-3
2.3	• सरल वाक्यों का पठन करना।	• चित्रों के माध्यम से सरल वाक्य युक्त कार्यपत्रकों पर पठन व लेखन का कार्य।	• अभ्यास पत्रक– 13, 14, 15, 16, 17, 18 • आकलन पत्रक–AW-4
लैडर – 3			**कक्षा – 1**
3.1	• मात्रा की अवधारणा • ली गई मात्राएं – आ,ई,ऊ,ए	• संबंधित मात्रायुक्त कविताओं का हाव भाव के साथ गायन कराना। • अनुच्छेद, कहानी काड्र्स/कलैण्डर/पुस्तकों के माध्यम से पढ़ना। • कहानी/कविता के बारे में बच्चों से बातचीत करना । जैसे – शीर्षक, पात्रों के नाम घटनाक्रम, विचार एवं पसंद आदि • इनमें आए कुंजी शब्दों एवं पात्रों के नामों को पढ़ना एवं उनमें आई मात्राओं पर विशेष बल के साथ उच्चारित करवाना। • कार्ड्स एवं श्यामपट्ट के माध्यम से मात्रा ध्वनि एवं संकेत की पहचान करवाना।	• छोटी कहानी/कविता की पुस्तकें। • अभ्यास पत्रक –19, 20, 21, 22, 25, 27, 28, 29, 30 • आकलन कार्यपत्रक – AW-5 • शब्द– चित्र कार्ड • शब्द कार्ड • कम्पोजिक स्टीक • पॉकेट होल्डर
3.2	• मात्रायुक्त वाक्यों का प्रयोग करना एवं पठन–लेखन करना। • **नोट** : यह कार्य मात्रा व शब्दों पर कार्य के दौरान ही बीच–बीच में किया जाएगा।	• मात्रायुक्त शब्दों का वाक्यों में मौखिक रूप से प्रयोग करवाना एवं लिखने का अभ्यास करवाना। • अनुच्छेद, कहानी काड्र्स/कलैण्डर/पुस्तकों के माध्यम से पढ़ना। • कहानी/कविता के बारे में बच्चों से बातचीत करना । जैसे – शीर्षक,पात्रों के नाम घटनाक्रम ,विचार एवं पसंद आदि • इनमें आए कुंजी शब्दों एवं पात्रों के नामों को पढ़ना एवं उनमें आई मात्राओं पर विशेष बल के साथ उच्चारित करवाना।	• कविता, कहानी चार्ट
लैडर – 4			**कक्षा – 1**
4.1	• लघु–दीर्घ मात्रा की ध्वनियों के अन्तर को पहचान कर पढ़ना व लिखना।	• कविताओं का लय एवं हावभाव के साथ गायन करवाना। • कहानियों को पढ़वाना और उनमें आए कुंजी शब्दों पर ध्यान दिलाते हुए उनका पठन करवाना ।	• छोटी कहानी/कविता की पुस्तकें। • लघु–दीर्घ मात्राओं के उच्चारण से संबंधित ऑडियो कैसेट • अभ्यास पत्रक – 23, 24, 25,

		• शब्दों में से लघु–दीर्घ मात्राओं की ध्वनियों के अंतर को उच्चारण के माध्यम से अनुभव करवाना। • लघु –दीर्घ मात्रायुक्त शब्दों को पढ़वाना एवं लिखवाना। • नोट बुक एवं कार्य पत्रक पर अभ्यास कार्य करवाना। • श्रुतलेखन करवाना। • गद्यांश में से अलग–अलग मात्राओं के शब्दों को छाँटकर लिखवाना । • दी गई मात्राओं के अनुसार शब्द सूची तैयार करवाना ।	26, • आकलन कार्यपत्रक– AW-6, AW-7 • शब्द– चित्र कार्ड • शब्द कार्ड • कम्पोजिक स्टीक • पॉकेट होल्डर • कविता, कहानी चार्ट ..

लैडर – 5			कक्षा – 2
5.1	सभी सीखी गई मात्राओं आदि को इस्तेमाल करते हुए वाक्य संरचना करना।	• छोटी कविताओं , कहानियों को पढ़ना उनको अपने शब्दों में बताना। • छोटे वाक्यों का पठन व लेखन करवाना। • चित्रों के आधार पर वाक्यों की संरचना करवाना। • क्रम से चित्रों को लगाकर वाक्य बुलवाना। • वाक्य पट्टिकाओं की मदद से वाक्य संरचना करवाना। • सरल और संयुक्त वाक्यों की अवधारणा को समझाना। • मौखिक व लिखित निर्देशानुसार वाक्य संरचना करवाना। • अभ्यास एवं आकलन प्रपत्रों का इस्तेमाल करना।	• छोटी कहानियों का संकलन • वाक्य कार्डस • वाक्य पट्टिका • वाक्य संरचना चार्ट एवं पासा। • अभ्य पत्रक – 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10 • आकलन पत्रक –AW-1, AW-2

लैडर – 6			कक्षा – 2
6.1	अनुस्वार, अनुनानसिक व मात्रायुक्त शब्दों को विभेद कर पढ़ना एवं लिखना।	• चयनित बालगीत का हावभाव के साथ गायन करवाना। • चित्र शब्द कार्ड्स का पठन करवाना। • अनुस्वार, अनुनासिक शब्द/वर्ण के उच्चारण पर जोर देना एवं बच्चों से बार–बार उच्चारण करवाना। • श्यामपट्ट की सहायता से शब्दों में से अनुस्वार,अनुनासिक चिह्नों को अलग करना एवं लगाना। • कार्यपत्रक.....पर अभ्यास कार्य करवाना। • गद्यांश/कविता/कहानी का पठन करवाना मौखिक प्रश्नोत्तर करना। • घर पर अभ्यास हेतु कार्यपत्रक देना। • अवधारणा पर आकलन पत्रक के माध्यम	• बालगीत चार्ट • शब्द कार्ड्स • कहानी की पुस्तकें • अभ्यास कार्यपत्रक –11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20 • सतत आकलन पत्रक– AW-4

		से स्थिति को देखना।	
लैडर – 7			**कक्षा – 2**
7.1	सरल छोटी घटना, कहानी को समझकर अपने शब्दों में मौखिक व लिखित रूप में अभिव्यक्त करना।	• छोटी सरल परिवेशीय घटना, अनुभव, दिनचर्या से संबंधित मौखिक बातचीत के ज़रिए विचार प्रस्तुत करने के अवसर उपलब्ध करना। • चित्र चार्ट,चित्र कार्डों के माध्यम से कहानी सुनाना/बच्चों से मौखिक सुनना। • चित्र कार्ड्स के माध्यम से कहानी का क्रमबद्ध लेखन करवाना। • वाक्यों को जोड़कर कहानी बनाना। • पठित या सुनी हुई कहानी/कविता के आधार पर चित्रांकन करना।	• कहानी चार्ट • कहानी से संबंधित चित्र कार्ड • लघु–दीर्घ मात्रायुक्त कहानी/कविता /गद्यांश • अभ्यास कार्यपत्रक क्रमांक – 21, 22, 23, 24, 25 • सतत आकलन पत्रक AW-5
7.2	पठित सामग्री में से (क्या,क्यों, कैसे) प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में मौखिक व लिखित रूप में देना।	• संबंधित कहानी/कविता या अनुच्छेद आदि से संबंधित प्रश्नोत्तर करना। • पठित सामग्री में से प्रश्न बनाना।	
लैडर 8			**कक्षा – 2**
8.1	किसी चित्र/ विषयवस्तु/घटना / कल्पनात्मक बिन्दु आदि के बारे में 6 से 8 वाक्यों में वर्णन कर/ अपनी बात को ठीक वर्तनी व व्याकरणिक दृष्टि से लिखना।	• दृश्य चित्रों के माध्यम से बातचीत करवाना। • दृश्य चित्रों पर स्वयं लेखन कार्य करना। • अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करवाना। • कल्पनात्मक विषयवस्तुओं पर लेखन कार्य करवाना।	• दृश्यात्मक चित्र श्रृंखला। • अनुमान आधारित प्रश्नों का संकलन • सतत आकलन पत्रक • अभ्यास पत्रक – 26, 27, 28, 29 • आकलन पत्रक क्रमांक AW-7
8.2	छोटी कहानियों /कविताओं को धाराप्रवाह गति के साथ पढ़ना।	• उपर्युक्त सामग्री का इस्तेमाल करते हुए अन्य और कहानियों व कविताओं का पठन करवाना। • पठित सामग्री में से अनुमान व कल्पना आधारित प्रश्नोत्तर करवाना।	• कविता एवं कहानी का संकलन • पुस्तकालय की पुस्तकों का उपयोग

लैडर 9			कक्षा – 3
9.1	संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पहचानते हुए सही उच्चारण के साथ पढ़ना एवं लिखना विषयवस्तु की जटिलता के अनुसार।	• संकलित की गई कविता व कहानियों को पढ़वाना। • सरल और संयुक्त वाक्यों की अवधारणा के लिए ब्लैकबोर्ड व कार्ड्स के माध्यम से समझाना। • संबंधित अभ्यास एवं आकलन प्रपत्रों पर कार्य करवाना।	• संयुक्ताक्षरों एवं ''र'' आधारित शब्द युक्त छोटी कहानियों का संकलन • शब्द / वाक्य कार्ड्स • वाक्य पट्टिका • वाक्य संरचना चार्ट एवं पासा। • अभ्यास एवं आकलन पत्रक • संयुक्ताक्षरों एवं ''र'' आधारित शब्द युक्त छोटी कहानियों का संकलन अभ्यास पत्रक PW-1, 2, 3, 4, 5, 6, AW-1 एवं आकलन पत्रक • शब्द / वाक्य कार्ड्स • वाक्य पट्टिका • वाक्य संरचना चार्ट एवं पासा।
9.2	र के विभिन्न रूपों को पहचानना और उनका पढ़ने एवं लिखने में सही उपयोग करना।	• ''र'' के प्रयोग वाले शब्दों का उच्चारण करवाना। • समूह में संयुक्ताक्षरों एवं **'र'** वाले शब्दों के कार्डस घर भरो गतिविधि करवाते हुए पहचान व लेखन का अभ्यास करवाना। • संयुक्ताक्षरों एवं **'र'** वाले शब्दों एवं छोटे वाक्यों का श्रुतलेखन करवाना। • संबंधित अभ्यास एवं आकलन प्रपत्रों पर कार्य करवाना।	

लैडर–10			कक्षा–3
10.1	वाक्यों पर पदों के अनुकूल बलाघात के साथ पढ़ते हुए वाक्य की संरचना एवं भाव को समझना तथा लेखन में सही उपयोग करना।	• छोटी कविताओं , कहानियों को पढ़ना उनको अपने शब्दों में बताना। • छोटे वाक्यों का पठन व लेखन करवाना। • चित्रों के आधार पर वाक्यों की संरचना करवाना। • क्रम से चित्रों को लगाकर वाक्य बुलवाना। • वाक्य पट्टिकाओं की मदद से वाक्य संरचना करवाना। • सरल और संयुक्त वाक्यों की अवधारणा को समझाना। • मौखिक व लिखित निर्देशानुसार वाक्य संरचना करवाना। • अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करवाना। • अभ्यास एवं आकलन प्रपत्रों का इस्तेमाल करना।	• बालगीत चार्ट • शब्द कार्ड्स • कहानी की पुस्तकें • कहानी चार्ट • कहानी से संबंधित चित्र कार्ड • लघु–दीर्घ मात्रायुक्त कहानी / कविता / गद्यांश • PW-7, 8, 9 अभ्यास पत्रक एवं आकलन पत्रक • AW-2
10.2	पढ़ी हुयी सामग्री को समझकर उसमें आयी घटनाओं तथा विचारों को क्रमबद्ध	• छोटी सरल परिवेशीय घटना, अनुभव, दिनचर्या से संबंधित मौखिक बातचीत के ज़रिए विचार प्रस्तुत करने के अवसर उपलब्ध करवाना ।	

	रूप में बताना एवं लिखकर भी अभिव्यक्त करना।	• चित्र चार्ट,चित्र कार्डों के माध्यम से कहानी सुनाना/बच्चों से मौखिक सुनना । • पठित या सुनी हुई कहानी/कविता के आधार पर चित्रांकन करना।	
लैडर–11			**कक्षा–3**
11.1	चित्र, विषयवस्तु आदि से संबंधित दिए गए प्रसंग के आधार पर छोटी कहानी बनाकर लिखना। दूसरे द्वारा लिखी सामग्री को पढ़कर उस पर उचित टिप्पणी देना।	• दृश्य चित्रों के माध्यम से बातचीत करवाना। • दृश्य चित्रों पर स्वयं लेखन कार्य करना। • कल्पनात्मक विषय वस्तुओं पर लेखन कार्य करवाना। • चित्र कार्ड्स के माध्यम से कहानी का क्रमबद्ध लेखन करवाना। • वाक्यों को जोड़कर कहानी बनाना।	• दृश्यात्मक चित्र श्रृंखला। • अनुमान आधारित प्रश्नों का संकलन • अभ्यास पत्रक क्रमांक–14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22 • सतत आकलन पत्रक क्रमांक A-5
11.2	पूर्ण विराम एवं प्रश्नवाचक चिह्नों के प्रयोग को समझना और पठन तथा लेखन में उनके उपयोग को सुनिश्चित करना।	• इस लैडर पर कार्य अलग से नहीं है, वरन् उपर्युक्त सभी गतिविधियों के साथ–साथ किया जाएगा।	• विराम चिह्न से संबंधित अनुप्रयोग को सभी कार्यपत्रकों में देखा जाएगा।
लैडर–12			**कक्षा–3**
12.1	सरल अनुच्छेदों को पढ़ना, उससे संबंधित प्रश्नों को हल करना एवं प्रसंगानुसार शीर्षक देना।	• उपर्युक्त सामग्री का इस्तेमाल करते हुए अन्य और कहानियों व कविताओं का पठन करवाना। • पठित सामग्री में से अनुमान व कल्पना आधारित प्रश्नोत्तर करवाना। • शीर्षक की समझ हेतु समाचार पत्र, पत्रिका के लेख, कविता व कहानियों को पढ़वाते हुए शीर्षक पर बात करना।	• कविता एवं कहानी का संकलन • PW-10, 11, 12, 13 • AW-3

लैडर– 13			कक्षा–4
13.1	• स्तरानुसार पूर्व कक्षा स्तर से अधिक कठिन संयुक्ताक्षरों (समान एवं असमान व्यंजनों के मेल से) पर कार्य करना। • **र'** के विविध रूपों से संबंधित पठन सामग्री को सही उच्चारण के साथ पढ़ना एवं लेखन में इनका सही प्रयोग करना।(पूर्व कार्य का अभ्यास।)	• संकलित एवं पाठ्यपुस्तकों में से समान व्यंजनों से बनने वाले संयुक्ताक्षर शब्दों को सूचीबद्ध करनवाना। • समान व असमान व्यंजनों शब्दों का ब्लैकबोर्ड एवं कार्ड्स चार्ट्स की मदद से पढ़वाना। • संबंधित शब्दों , वाक्यों, अनुच्छेदों का श्रुतलेख करवाना। • कार्यपत्रकों के माध्यम से अभ्यास कार्य करवाना। • रचनात्मक आकलन पत्रकों पर कार्य करवाना। • ''र'' (पदेन एवं रेफ़)के प्रयोग वाले शब्दों का उच्चारण करवाना। • तीनों प्रकार से इस्तेमाल किए गए **र** के प्रयोग को स्पष्टता के साथ उच्चारित करते हुए अन्तर को बताना। • कार्यपत्रकों के माध्यम से अभ्यास कार्य करवाना। • रचनात्मक आकलन पत्रकों पर कार्य करवाना।	• संयुक्ताक्षरों एवं ''र'' आधारित शब्द युक्त कविता/कहानी/अनुच्छेद • अवधारणात्मक चार्ट • शब्द/ वाक्य कार्ड्स • वाक्य पट्टिका • ब्लैक बोर्ड एवं चार्ट्स • अभ्यास पत्रक • आकलन पत्रक
लैडर 14			**कक्षा–4**
14.1	• सरल कहानियों, लेखों, कविता को धाराप्रवाह गति के साथ पढ़ना। • संबंधित सवालों के जवाब देना मौखिक रूप से। • विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में कारण सहित लिखना।	• पठन संबंधी गतिविधियाँ जैसे– व्यक्तिगत रूप से, जोड़े में तथा शिक्षक द्वारा स्वयं पढ़कर सुनाने का कार्य करवाना एवं मौखिक रूप से बच्चों द्वारा आपस में व शिक्षक द्वारा प्रश्नों को पूछना व उत्तरों को सुनना। • संबंधित कार्यपत्रकों में से पठन सामग्री के आधार पर प्रश्नों के उत्तर बच्चों से स्वयं लिखवाना। • उत्तरों को एक–दूसरे बच्चों के साथ साझा करवाना। • पठित सामग्री में से अनुमान व कल्पना आधारित प्रश्नोत्तर करवाना। • पठन के दौरान विषयवस्तु में उपयोग किए गए विराम चिह्नों के बारे में समझना, पढ़ने के दौरान उनका ध्यान रखना, इसके लिए शिक्षक को आदर्श पठन करते हुए बच्चों के सामने डैमो देना अनिवार्य होगा, जिससे कि बच्चे पढ़ने के कौशल को सुनकर समझ सकें। • अभ्यास कार्यों के माध्यम से विभिन्न	• संकलित कहानी , कविताएँ • कहानी की पुस्तकें (स्कूल लाइब्रेरी का उपयोग किया जाए) • कहानी, कविता चार्ट • अभ्यास कार्यपत्रक • सतत आकलन पत्रक
14.2	पठन में पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक चिह्नों के साथ–साथ संबोधन चिह्नों के इस्तेमाल को समझना एवं लेखन में भी उनका उपयोग करना।		

		विराम चिह्नों को समझना।	
लैडर 15			**कक्षा–4**
15.1	अनुमान लगाकर चित्र व वाक्यों के मध्य सहसंबंध को समझना उसे मौखिक व लिखित रूप में अभिव्यक्त करना।	• छोटी सरल परिवेशीय घटना, अनुभव, दिनचर्या से संबंधित मौखिक बातचीत के ज़रिए विचार प्रस्तुत करने के अवसर उपलब्ध करवाना । • चित्र चार्ट,चित्र कार्डों के माध्यम से कहानी सुनाना/बच्चों से मौखिक सुनना । • पठित या सुनी हुई कहानी/कविता के आधार पर चित्रांकन करना। • छोटी कविताओं , कहानियों को पढ़ना उनको अपने शब्दों में बताना। • दृश्य चित्रों के माध्यम से बातचीत एवं लेखन कार्य करना। • कल्पनात्मक विषय वस्तुओं पर लेखन कार्य करवाना। • शब्दों के प्रयोग से कहानी बनाना। • पठित सामग्री पर चर्चा और स्वयं की भाषा में लिखना। • शीर्षक की समझ हेतु समाचार पत्र, पत्रिका के लेख, कविता व कहानियों को पढ़वाते हुए शीर्षक पर बात करना।	• समाचार पत्र, बाल पत्रिकाओं का संकलन (स्कूल स्तर पर।) • दृश्यात्मक चित्र श्रृंखला। • अनुमान आधारित प्रश्नों का संकलन • अभ्यास पत्रक • सतत आकलन पत्रक
15.2	कहानी/अनुच्छेद को संक्षिप्त कर अपनी भाषा में बताना और लिखकर प्रस्तुत करना और समझकर शीर्षक देना।		
15.3	समाचार पत्र, बाल पत्रिकाओं आदि से पढ़ी हुई सामग्री को समझकर बताना और लिखकर प्रस्तुत करना।		
लैडर 16			**कक्षा–4**
16.1	व्याकरण की दृष्टि से वाक्य– विन्यास एवं वाक्यों में लिंग व वचन, सर्वनाम,विशेषण आदि का सही प्रयोग करना।	• वाक्यों के प्रकारों को समझाना। • व्याकरणिक दृष्टि से विभिन्न प्रकार के वाक्यों की संरचना पर बातचीत कर प्रयोग करवाना। • संबंधित अभ्यास कार्य करवाना। • रचनामक आकलन पत्रक के माध्यम से कार्य करवाना। • चित्र व शब्दों के माध्यम से वाक्यों का सृजन करवाना। • विद्यालय में स्थित विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का प्रयोग कर वाक्य सृजन करवाना।	• वाक्यों के प्रकार से संबंधित चार्ट। • विभिन्न प्रकार के वाक्यों का संकलन • चित्र एवं शब्द कार्डस्। • विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ – जैसे चॉक, डस्टर, कॉपी, बोतल, बैग, पैन, पैन्सिल.... आदि।

लर्निंग लैवल आकलन पत्रक
(समर्थन पूर्व)

6

प्रस्तावना

आकलन वास्तव में बच्चों के सीखने की स्थितियों को समझने और जानने के लिए एक आवश्यक माध्यम है। अच्छा पढ़ाने के नियोजन से पूर्व बच्चों के आधारभूत प्रदर्शन को निर्धारित करना आवश्यक है। बच्चे स्कूल में विविध पृष्ठभूमि और कौशल के साथ अलग–अलग कक्षाओं में प्रवेश करते हैं। कक्षा के कुछ बच्चे हो सकता है नामांकित कक्षा के अनुरूप पाठ्यक्रम पर कार्य करने के लिए योग्य हों, लेकिन कुछ विशेष बच्चों की आवश्यकता कक्षा के लिए निर्धारित पढ़ने–लिखने के बुनियादी कौशलों की हो।

प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत बच्चों के वास्तविक शैक्षिक स्तर के अनुसार विषयवार अकादमिक कार्य प्रारंभ करने से पूर्व उस कक्षा में अध्ययन करने हेतु बुनियादी कौशलों का होना आवश्यक है, अतः लर्निंग लैवल आकलन और भी महत्त्वपूर्ण हो जाता है।

वर्तमान व्यवस्था में अध्ययनरत बच्चों के शैक्षिक स्तरों को यदि देखा जाए तो वह बच्चों के कक्षा योग्य स्तर को नहीं दर्शाता है, जैसा कि विभिन्न प्रकार के शैक्षिक सर्वे के आँकड़े बताते हैं।

बच्चों के साथ उनके **कक्षा–स्तर** के अनुसार कार्य करने से पूर्व ठीक से यह जान लेख आवश्यक है कि वास्तव में बच्चों के शैक्षिक स्तर क्या हैं, उन्हें विभिन्न प्रकार क्षमताओं में किस प्रकार की समस्या आ रही है, जिससे कि उस क्षमता पर ठीक से योजना बनाकर कार्य किया जा सके।

इससे बच्चों के मध्य रहे शैक्षिक अन्तरों को कम करने में मदद तो मिलेगी ही साथ ही आने वाले समय में स्तरों के मध्य बहुत ज्यादा विविधता को भी कम करने में मदद मिलेगी।

फिलहाल बच्चों के साथ विशेष अधिगम समर्थन का कार्य करने के लिए प्रत्येक बच्चे की आवश्यकता को ज्ञात करने और उसके अनुसार योजना बनाने में मदद मिल सके इसके लिए **लर्निंग लैवल आकलन पत्रक** को एक पैकेज के रूप में विकसित किया गया है।

भाषा की कक्षा और आकलन

भाषा की कक्षा का उद्देश्य है – भाषा की समझ, इसे विभिन्न संदर्भों में उपयोग करने की क्षमता और सौंदर्यपरक पहलू को परख सकने की क्षमता का मापन।

इस प्रकार देखा जाए तो आकलन सीखने–सिखाने की प्रक्रिया का ही एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। अतः आकलन वास्तव में वह है जो प्रगति, उपलब्धि और विकास के रूप में बच्चे की पूरी रेंज को प्रतिबिंबित कर सके। जिसके

तहत शिक्षक अवलोकन, शिक्षक द्वारा डिजाइन किया गया कार्यों का संकलन एवं परीक्षण आदि समाहित हो। इसमें पाठ्यक्रम प्रोफाइल, मानकीकृत (Standardized Test) परीक्षण, नैदानिक परीक्षण आदि सम्मिलित हों।

हम सब यह जानते हैं कि आकलन का कोई एकल प्रपत्र बच्चे के व्यापक प्रोफाइल को विकसित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। अतः सतत रूप से कुछ चीजों को प्रक्रिया के अंतर्गत समझने की आवश्यकता होती है और कुछ को सावधिक रूप से समझने के लिए उसका मानकीकृत होना अनिवार्य होता है जिससे कि साफ व स्पष्ट छवि उभर कर हमारे सामने आ सके।

प्रारंभिक स्तर आकलन के उद्देश्य

- विद्यार्थियों के वास्तविक शैक्षिक स्तर को ज्ञात करने के लिए या यह समझने के लिए कि बच्चे जिस कक्षा में नामांकित हैं वह उसके लिए उचित है या नहीं।
- स्तर पहचान कर प्रभावी शिक्षण हेतु सीखने–सिखाने की उपयुक्त योजना बनाने के लिए।

आकलन–पत्रक निर्माण के आधार

निम्न आधारों पर तैयार किया गया है –

- पाठ्यक्रम में निहित कौशलों एवं कक्षावार उद्देश्यों एवं बुनियादी क्षमताओं का समावेश।
- कौशलवार (सुनना–बोलना, पठन, लेखन कौशल) प्रश्नों का विभाजन।
- अवधारणात्मक स्पष्टता से संबंधित प्रश्न। (जैसे – वर्ण पहचान एवं प्रयोग, मात्रा की समझ, शब्द निर्माण एवं वाक्य संरचना .. आदि।)
- बच्चों के शैक्षिक स्थिति को चिह्नित किया जा सके और स्तर सही जगह स्थापित किया जा सके।
- अवधारणा की समझ एवं प्रयोग की स्थिति को देखा जा सके।
- ब्लूम टॅक्सोनॉमी के शैक्षिक उद्देश्यों (remembering, analyzing, applying) के आधार पर निर्मित।

आकलन–पत्रक डिज़ाइन व संरचना

- ये आकलन–पत्रक कक्षा 2 से 5 तक अध्ययनरत सभी बच्चों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जो कि राज्य सरकार के मानदंडों के अनुसार सीखने के न्यूनतम स्तर पर आधारित हैं।
- आकलन–पत्रक को डिजाइन करते समय राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा की भाषा शिक्षण हेतु सिपारिशों को ध्यान में रखा गया है।
- इसमें लिए गए सवाल सामान्य विषयवस्तु आधारित हैं जिनसे कि कौशलों में दक्षता की स्थिति को देखा जा सके।
- आकलन–पत्रक बच्चों के कक्षा स्तर पर आधारित हैं।
- दो प्रकार के आकलन–पत्रक रखे गए हैं – मौखिक एवं लिखित
- आकलन–पत्रक जिन कक्षाओं के बच्चों के लिए निर्धारित किया गया है वह क्रमशः उस कक्षा से एक स्तर नीचे की बुनियादी क्षमताओं पर आधारित हैं।

  जैसे –

  कक्षा 2 के लिए–कक्षा 1 के स्तर का ।

  कक्षा 3 के लिए – कक्षा 2 के स्तर का।

  कक्षा 4 के लिए– कक्षा 3 के स्तर का।

  कक्षा 5 के लिए– कक्षा 4 के स्तर का ।

भाषा की दक्षताएँ/क्षमताएँ

- समझ के साथ सुनने और बोलने की क्षमता।
- वर्तनी की समझ व उपयोग
- पढ़कर समझने की योग्यता
- लेखन की योग्यता (रचनात्मक लेखन, वाक्य निर्माण की प्रवाहिता)

प्रश्नों की श्रेणी/स्तर

- ज्ञान आधारित
- स्मरणशक्ति
- समझ आधरित
- अनुप्रयोग एवं रचनात्मक

प्रश्नों के प्रकार

- अति लघुउत्तरात्मक – रिक्त स्थान, बहुविकल्पी
- लघु उत्तरात्मक – चित्रों के नाम लेखन, प्रश्नों का वाक्यों में उत्तर लेखन, शब्दों का वाक्यों में प्रयोग
- दीर्घ उत्तरात्मक – कहानी/कविता लेखन

कक्षावार प्रश्नों की संख्या

कक्षा	2	3	4	5
मौखिक	4	3	3	3
लिखित	9	9	9	9
कुल	**13**	**12**	**12**	**12**

आकलन–पत्रक का इस्तेमाल कैसे करें ?

- बच्चे वर्तमान में जिस कक्षा में अध्ययनरत हैं उस कक्षा से संबंधित आकलन–पत्रक उन्हें दें।
- यदि बच्चा अपनी नियत कक्षा के स्तर के आकलन–पत्रक को नहीं कर पाए तो उसे उससे निचली कक्षा का आकलन–पत्रक दिया जाना चाहिए।
- आकलन–पत्रक पर कार्य करने के लिए बच्चों को उनकी कार्य करने की स्थिति के अनुरूप समय अवश्य दें, फिर भी यदि कुछ बच्चे समय से पूर्व अपना कार्य कर लेते हैं तो उनके लिए आप अपने स्तर पर निर्णय ले सकते हैं।
- आकलन–पत्रक पर कार्य करने से पूर्व बच्चों को एक बार पूरा आकलन–पत्रक समझा दें।
- कक्षा 2 के बच्चों को आकलन–पत्रक के प्रत्येक प्रश्न को समझाते हुए कार्य करने को दें। (यहाँ पर समझाने से आशय है कि प्रश्न में क्या करने को कहा तजा रहा है उसे समझाना, नाकि दिए गए कार्य को करवाना।)
- यदि आकलन–पत्रक में दिए गए प्रश्नों को विस्तार से समझाने की आवश्यकता लगे तो दिए गए प्रश्न के अतिरिक्त अन्य उदाहरण देते हुए निर्देश को स्पष्ट करें।

आकलन–पत्रक जाँच कैसे करें ?

- प्रत्येक प्रश्न के लिए जाँच के दौरान ग्रेड का निर्धारण किया जाना आवश्यक होगा।
- आकलन–पत्रक जाँच व ग्रेडिंग के लिए स्पष्ट दिशा निर्देश आगे दी जा ही चैकलिस्ट में दर्शाए गए हैं।
- जिस किसी प्रश्न को बच्चों द्वारा किया ही नहीं गया हो उसके लिए एन.ए. लिखा जाना है।
- इस चैकलिस्ट में उदाहरण स्वरूप जहाँ आवश्यकता लगी वहाँ पर अधिकतम प्रतिक्रियाएँ (Responses) देने का प्रयास किया गया है, जो कि आकलन–पत्रक जाँचने में मदद करेंगे।
- चूंकि कौशलवार प्रश्नों को व्यवस्थित किया गया है अतः एक कौशल के अंतर्गत आने वाले सभी प्रश्नों की जाँच के बाद उस कौशल की क्या स्थिति रही है , उसे समझा जा सकेगा।

ग्रेड देने के आधार

A – दी गई दक्षता/क्षमता/कौशल के सन्दर्भ में पूर्णतः सक्षम है और अगली कक्षा की दक्षता पर कार्य करवाया जाना है।

B – दी गई दक्षता/क्षमता/कौशल के सन्दर्भ में आंशिक रूप से कार्य करवाते हुए अगली कक्षा की दक्षता पर कार्य करवाए जाने की आवश्यकता है।

C – दी गई दक्षता/क्षमता/कौशल के सन्दर्भ में अभी प्रारंभिक स्तर से ही कार्य करवाने की आवश्यकता है।

नोट– उपर्युक्त तीनों कथन सारणी में दिए गए प्रत्येक 'दक्षता/क्षमता/कौशल' के सन्दर्भ में अलग–अलग लागू किए जाएंगे। इनको समेकित रूप में नहीं देखा जा रहा है।

उदाहरणार्थ : यदि मात्राओं के सन्दर्भ में दिक्कत है और वर्णमाला आती है तो उपर्युक्त में से जो भी कथन लागू हो रहा है वह सिर्फ मात्रा अवधारणा पर ही लागू होगा।

अभिलेखों का प्रस्तुतीकरण

आकलन संबंधी रिकॉर्ड संधारण के लिए तीन प्रकार के प्रपत्र आगे दिए गए हैं।

1. मौखिक आकलन दस्तावेजीकरण प्रपत्र (सामान्य, यानि सभी कक्षाओं के लिए एक समान)
2. लिखित आकलन दस्तावेजीकरण प्रपत्र (कक्षावार)
3. विद्यार्थी प्रगति प्रतिवेदन (यह भी सामान्य है,लेकिन इसमें कक्षावार दक्षताओं के साथ कक्षा भी लिखी गई है।)

समूहीकरण एवं लक्ष्य निर्धारण

लर्निंग लैवल आकलन के दौरान दोनों प्रकार के यानि मौखिक व लिखित का विश्लेषण करते हुए समूहों का निर्माण किया जाएगा।

- समूह – 1 कक्षा स्तर पर काम करने वाले बच्चे।
- समूह – 2 कक्षा स्तर से नीचे काम करने वाले बच्चे।
- सम्पूर्ण समूह के आधार पर लक्ष्यों को निर्धारित किया जाएगा।
- समूह – 1 के लिए क्षमता संवर्द्धन हेतु लक्ष्यों का निर्धारण किया जाएगा।
- समूह – 2 के लिए निर्धारित बुनियादी क्षमताओं के आधार पर लक्ष्यों का निर्धारण किया जाएगा।

नोट– समझकर सुनने और सुनकर आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्ति हेतु सभी बच्चों के साथ समान लक्ष्यों को लेकर कार्य किया जाएगा।

आकलन पत्रक नमूने

(समर्थन पूर्व)

7

कक्षा 2 के लिए – दिए गए वर्णों को पढ़िए –

प	ब	म	ट	त	च	छ
ज	ग	स	र	ल	क	ट
ख	ड	घ	य	व	श	ह
झ	ठ	थ	ढ	ध	द	न
भ	ष	क्ष	त्र	ए	ज्ञ	ओ

शाला का नाम : ..... रोल नं. : .....

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : .....

विषय : हिन्दी

आत्मविश्वास के साथ बोलना

कक्षा	प्रश्न संख्या	गतिविधि
2	1	पुस्तक से संबंधित अपनी मन पसन्द कविता/बालगीत/कहानी सुनाइए।
3	1	पुस्तक से संबंधित अपनी मन पसन्द कविता/बालगीत सुनाइए।
4	1	पुस्तक से संबंधित अपनी मन पसन्द कविता/बालगीत सुनाइए।
5	1	अपने विद्यालय के बारे में 5 से 7 वाक्य बताइए/बोलिए

रेटिंग मानदण्ड	ग्रेड
बिना किसी रुकावट एवं त्रुटि के पूरा –पूरा सुनाया गया	A
अटक–अटक कर सुनाया गया।	B
आधा–अधूरा सुनाया गया।	C

सुनकर समझना और बोलना

कक्षा	प्रश्न संख्या	गतिविधि
2	प्र. 4 दिए गए प्रश्नों का एक शब्द में उत्तर बताइए	(अ) मछली कहाँ रहती है?/मछली का घर कहाँ होता है? (ब) गाय के कितने पैर होते हैं? (स) लौकी किस रंग की होती है? (द) गेंद से कौन सा खेल खेलते हैं ?

रेटिंग मानदण्ड	ग्रेड
सभी प्रश्नों के सही उत्तर दिए गए।	A
दो से तीन प्रश्नों के सही उत्तर दिए।	B
एक प्रश्न का ही उत्तर दे पाए।	C

समझकर पढ़ना एवं आत्मविश्वास के साथ बोलना

कक्षा / प्रश्न संख्या	गतिविधि
कक्षा – 2	
प्र.2 दिए गए चार्ट में से वर्णमाला सभी वर्णों को पढ़िए।	वर्णमाला चार्ट और चयनित वर्णों का चार्ट आगे दिया गया है।
प्र.3 दिए गए शब्दों और वाक्यों को पढ़िए।	आलू, पोती, कार, मोर, बकरी, सैर
	घर चल। ताला लगाकर आना। दादी खाना बना। किरन पुलाव बनाती है। पूनम झूला झूल रही है। मेरे मौसा मौसी आए हुए हैं।
कक्षा – 3	
प्र.2 दिए गए गद्यांश को पढ़कर सुनाइए।	एक जंगली फूल है। फूलू ! हर दिन गुजरता है, उसका हँसी खुशी में। सूरज की चमकीली किरणों में अपने दोस्तों के साथ। उसके चारों ओर खूबसूरत तितलियाँ पंख फड़–फड़ाती हैं और खेलती हैं। मेंढक शाम को आता है और बेसुरे गीत गाता है।
प्र.3 निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए	(1) फूलू कौन है ? (2) चमकीली किरणें किसकी हैं ? (3) मेंढक कब घर आता है ? (4) बेसुरे गीत कौन गाता है?
कक्षा – 4	
प्र.2 दिए गए गद्यांश को पढ़कर सुनाइए।	एक जंगल था। उस जंगल में एक शेर भोजन करके आराम कर रहा था। इतने में एक मक्खी उड़ती–उड़ती वहाँ आ पहुँची। शेर ने दो–तीन दिनों से स्नान (नहाना) नहीं किया था। इसलिए मक्खी शेर के कान के एकदम पास भिन्–भिन् करने लगी।
प्र.3 निम्न प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए।	(क) शेर कहाँ आराम कर रहा था? (ख) मक्खी भिन्–भिन् क्यों कर रही थी (ग) तुम आराम कब करते हो? (घ) इस गद्यांश में आपको खास बात कौन–सी लगी?

कक्षा – 5	
प्र.2 दिए गए गद्यांश को पढ़कर सुनाइए।	मुखिया ने सभी हुदहुदों के साथ मिलकर सलाह–मशवरा किया और बोला ''हाँ, महाराज! मैंने खूब परामर्श करके यह वर माँगा है।'' सुलेमान ने प्रार्थना स्वीकार कर ली। सभी हुदहुदों के सिर पर सोने की कलगी निकल आई। लोगों ने सोने की कलगी को देखा, तो वे हुदहुदों के पीछे पड़ गए। तीर से उन्हें मार–मारकर इकट्ठा करने लगे। हुदहुदों का वंश समाप्त होने पर आ गया।
प्र.3 निम्न प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए।	(अ) कलगी वाले और कौन–कौन से पक्षी होते हैं? नाम बताइए। (ब) ''तीर से उन्हें मारकर इकट्ठा करने लगे।'' इस वाक्य में 'उन्हें' शब्द किसके लिए कहा गया है? (स) हुदहुदों का वंश क्यों समाप्त होने पर आ गया? (द) 'परामर्श' शब्द क्या मतलब है?

रेटिंग मानदण्ड				
कक्षा	**प्र.सं.**	**A**	**B**	**C**
2	2	सभी वर्णों को बिना किसी रुकावट के पढ़ा गया। संयुक्त वर्णों के अतिरिक्त	बीच–बीच में अटकते हुए वर्णों को पढ़ा गया।	कुछ ही वर्णों को पढ़ा गया।
	3	सभी शब्दों और वाक्यों को धाराप्रवाहिता के साथ पढ़ा गया।	मात्रा वाले शब्द और वाक्यों को पढ़ने में कठिनाई हुई।	केवल सरल शब्द और वाक्यों का ही पढ़ा गया या केवल शब्द ही पढे।
3	2	सहज रूप से सही उतार–चढ़ाव के साथ पढ़ा गया।	मात्रायुक्त/अनुस्वार/अनु नासिक या संयुक्ताक्षर शब्दों को थोड़ी रुकावट के साथ पढ़ा गया।	कुछ शब्दों को ही ठीक से पढ़ा गया।
	3	पूरे –पूरे वाक्य में उत्तर दिए गए। 1.फूलू एक जंगली फूल है/का नाम है। 2.सूरज की चमकीली किरणें हैं/चमकीली किरणें सूरज की हैं। 3.मेंढक शाम को घर आता है। 4.मेंढ़क बेसुरे गीत गाता है।	कुछ प्रश्नों के पूरे वाक्य में और कुछ के एक शब्द में सही उत्तर दिए गए। 1. जंगली फूल/फूल 2. सूरज की/सूरज 3. शाम को 4. मेंढक	एक शब्द में उत्तर कुछ ही प्रश्नों के दिए गए।
4	2	सम्पूर्ण अनुच्छेद को बिना किसी	मात्रायुक्त/अनुस्वार/अनु	कुछ शब्दों को ही

		रुकावट के पढ़ा गया।	नासिक या संयुक्ताक्षर शब्दों को थोड़ी रुकावट के साथ पढ़ा गया।	ठीक से पढ़ा गया।
	3	पूरे –पूरे वाक्य में उत्तर दिए गए। **1. शेर जंगल में आराम कर रहा था।** **2. शेर ने दो–तीन दिन से नहाया / स्नान नहीं किया था/शेर में से बदबू आ रही थी/शेर गंदा था इसलिए मक्खी भिन् – भिन् कर रही थी।** **3. हम रात को/दिन में/ रविवार को /छुट्टी के दिन/ स्कूल से आने के बाद आराम करते हैं।** **4. इस कहानी में हमको/मुझे सबसे जरूरी बात लगी कि हमें रोज नहाना चाहिए/गंदा नहीं रहना चाहिए/ खाना खाने के बाद आराम करना चाहिए।**	दो या तीन प्रश्नों के उत्तर ही दिए आधे – अधूरे वाक्य में।	एक प्रश्न का ही उत्तर दे पाए पूरे वाक्य में या एक शब्द में।
5	2	सम्पूर्ण अनुच्छेद को बिना किसी रुकावट के , विराम चिह्नों को ध्यान में रखते हुए पढ़ा गया।	मात्रायुक्त/अनुस्वार/अनु नासिक या संयुक्ताक्षर शब्दों को थोड़ी रुकावट के साथ पढ़ा गया।	कुछ शब्दों को ही ठीक से पढ़ने का प्रयास रहा/ अटक – अटक कर पढ़ा गया।
	3	पूरे –पूरे वाक्य में उत्तर दिए गए। **अ. कलगी वाले पक्षी – मोर, मुर्गा.** **ब. इस वाक्य में** उन्हें **हुदहुदों के लिए कहा गया है।** **स – हुदहुदों का वंश इसलिए समाप्त होने पर आ गया क्योंकि उनके सिर पर सोने की कलगी थी जिसे लोग तीर से मार–मार कर इकट्ठा करने लगे थे।/ लोग सोने की कलगी के लिए हुदहुदों को मारने /पीछे लग गए थे।** **द– सलाह/सुझाव/मंत्रणा/राय**	दो या तीन प्रश्नों के उत्तर ही दिए आधे – अधूरे वाक्य में ।	एक प्रश्न का ही उत्तर दे पाए पूरे वाक्य में या एक शब्द में।

सुनकर लिखना

कक्षा/प्रश्न संख्या	गतिविधि
कक्षा – 2	
प्र.5 सुनकर लिखिए (श्रुतलेख)	**कलम , घर , बादल , मछली , पुराना , झूला , खिलौना , पेड़ , रायता , तितली**

कक्षा – 3	
प्र.4 सुनकर लिखिए (श्रुतलेख)	**त्रिभुज , साड़ी , लोमड़ी , खिलौना , विद्यालय, कूलर , गुलाब , पूँछ , बच्चा , जंगल**
कक्षा – 4	
प्र.4 सुनकर लिखिए (श्रुतलेख)	**चीटियाँ , कुतरना , हँसना , विश्वास , चम्मच , झाँसी , कृषक , शिक्षक , रेंगना , वर्षा**
कक्षा – 5	
प्र.4 सुनकर लिखिए (श्रुतलेख)	हमारे देश में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद निरंतर विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान, उद्योग, सूचना–प्रौद्योगिकी और शिक्षा के क्षेत्र में आशातीत विकास किया है। सूचना प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में तो भारत की गिनती विश्व के अग्रणी देशों में की जाती है। भारत शान्ति का अग्रदूत है।

नोट – सभी कक्षाओं के लिए लिखित आकलन–पत्रक के प्रश्न सं. 09 में श्रुतलेख के लिए स्थान दिया गया है।

रेटिंग मानदण्ड				
कक्षा	**प्र.सं.**	**A**	**B**	**C**
2	5	सभी शब्दों को एक या दो त्रुटियों के साथ लिखा गया।	सभी शब्द तो लिखे लेकिन अधिकांश शब्दों में मात्रागत अशुद्धियाँ की गई।	सरल व आ की मात्रायुक्त शब्द ही लिखे गए।
3	4	सभी शब्दों को बिना किसी त्रुटि के साथ लिखा गया।	सभी शब्द तो लिखे लेकिन मात्रा/वर्णों में अशुद्धियों की अधिकता रही।	सरल व आ की मात्रायुक्त शब्द ही लिखे गए।
4	4	सभी शब्दों को बिना किसी त्रुटि के साथ लिखा गया।	सभी शब्द तो लिखे लेकिन मात्रा/वर्णों/अनुनासिक के चिह्न में अशुद्धियों की अधिकता रही।	अर्ध अक्षर वाले और अनुनासिक शब्दों के अतिरिक्त शब्दों को ही लिखा गया।
5	4	सम्पूर्ण अनुच्छेद को बिना किसी त्रुटि के साथ लिखा गया। विराम चिह्नों का भी लगभग सही उपयोग किया गया।	कुछ वाक्यों को सही व कुछ वाक्यों में से कुछ शब्द को छोड़ दिया या मात्रा/ वर्णों/अनुनासिक के चिह्न में अशुद्धियों की अधिकता के साथ लिखा गया।	अर्ध अक्षर वाले और अनुनासिक शब्दों के अतिरिक्त शब्दों को ही लिखा गया ।

विषय–हिन्दी (लिखित) कक्षा : 2 (कक्षा–1 के पाठ्यक्रम पर आधारित)

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

(I) पठन–कौशल

1. चित्र के सही नाम पर घेरा (O) बनाइए –

(i)	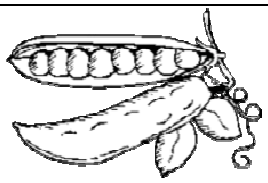	नल	मटर	लटक	बस
(ii)	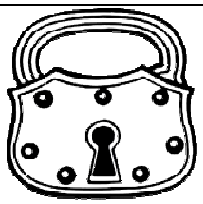	तारा	थाली	ताला	सूरज
(iii)	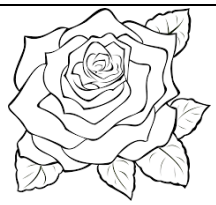	गमला	गुलाब	गुब्बारा	गिलास

2. दिए गए चित्रों के लिए सही वर्ण पर घेरा (O) बनाइए –

(i)	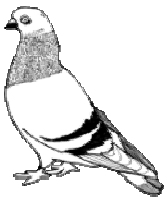	फ	म	क	ख
(ii)	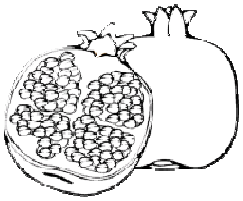	आ	अ	क	से
(iii)		प	थ	म	त

3. सही शब्द पर घेरा (O) लगाइए–

(i)	गसा	घसा	घास	घासा
(ii)	कचुआ	कछूआ	कचूआ	कछुआ
(iii)	मदरी	मदारी	मधारी	मदाड़ी

4. चित्र के अनुसार सही वाक्य पर सही (✓) का निशान लगाइए –

(i)		यह एक सेब है।	यह एक लौकी है।	यह एक आम है।	यह एक गेंद है।
(ii)	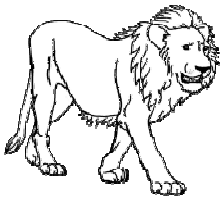	यह एक बंदर है।	यह एक शेर है।	यह एक आदमी है।	यह एक गाय है।
(iii)	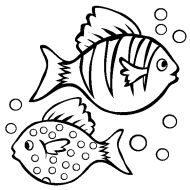	ये तीन मछलियाँ हैं।	यह एक मछली है।	ये दो घोड़े हैं।	ये दो मछलियाँ हैं।

(II) लेखन–कौशल

5. दिए गए चित्रों के नाम लिखिए –

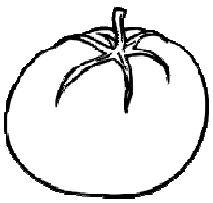

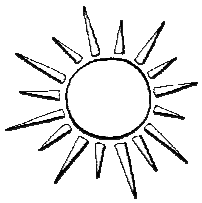

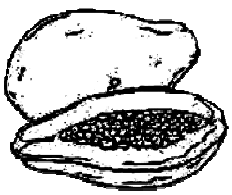

....

6. दी गई वर्णमाला में छूटे हुए अक्षरों को लिखिए–

अ	आ	.....	ई	.....
ऊ	क	ख	.....	.....
ट	.....	ड	.....	त
.....	द	.....	न	प
फ	.....	भ	.....	

7. नीचे दिए गए शब्दों के समान ध्वनि (आवाज़) वाले दो–दो शब्द बनाइए –

(अ) काला माला ....

(ब) आम दाम ....

8. दिए गए चित्र पर एक वाक्य लिखिए –

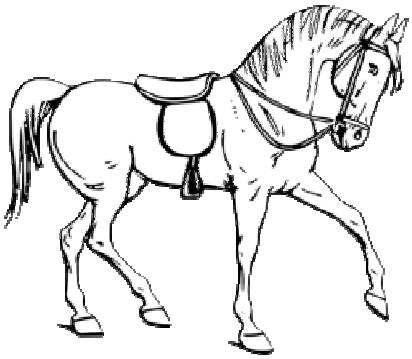

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

9. शिक्षक द्वारा बोले गए शब्दों को लिखिए –

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक टिप्पणी .....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

दिनांक : .....

विषय–हिन्दी (लिखित) कक्षा : 3 (कक्षा–2 के पाठ्यक्रम पर आधारित

शाला का नाम : ..... रोल नं. : .....

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : .....

(I) पठन–कौशल

1. चित्र के सही नाम पर सही (✓) का निशान लगाइए –

(i)	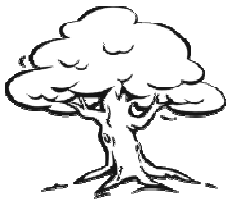	लौकी	घर	लड़का	पेड़
(ii)	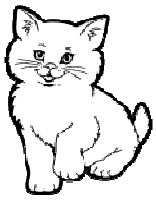	बिजली	कुत्ता	बिल्ली	ऊँट
(iii)	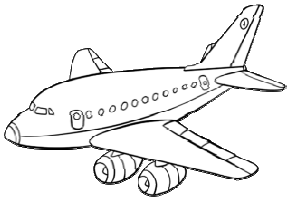	चिड़िया	हवाईजहाज	कबूतर	बगुला

2. सही शब्द पर घेरा (O) लगाइए–

(i)	डोलक	ढोलक	ढौलक	डौलक
(ii)	मोसमी	मोसमि	मौसमी	मौसमि
(iii)	खिलोने	खीलोने	किलौने	खिलौने

3. समूह में से अलग के सामने सही (✓) का निशान लगाइए –

(i) सेव ☐ करेला ☐ केला ☐ चीकू ☐

(ii) पंखा ☐ शिक्षक ☐ डॉक्टर ☐ किसान ☐

(iii) थाली ☐ गिलास ☐ कटोरी ☐ कुर्सी ☐

4. चित्र के अनुसार सही वाक्य पर सही (✓) का निशान लगाइए –

(i)		चिड़िया डाल पर नहीं बैठी है।	चिड़िया डाल पर सो रही है।	चिड़िया खाना खा रही है।	चिड़िया डाल पर बैठी है।
(ii)		सीता खाट पर बैठी है।	सीता झूले पर खड़ी है।	सीता झूला झूल रही है।	सीता नाच रही है।
(iii)		लड़का नाच रहा है।	लड़का बॉल से खेल रहा है।	लड़का चल रहा है।	लड़का बैठा है।

(II) लेखन–कौशल

5. नीचे दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

(अ) बाँसुरी – .....

(ब) सैर – .....

6. नीचे दिए गए शब्दों से समान ध्वनि वाले दो–दो शब्द बनाइए –

(अ) अकड़ी पकड़ी ....

(ब) हक्का पक्का ....

7. दिए गए प्रश्नों के पूरे वाक्य में उत्तर लिखिए –

(अ) बाल काटने वाले को क्या कहते हैं ?

.....

(ब) आप किस विद्यालय में पढ़ते हैं?

.....

8. दिए गए चित्र पर क्रम से वाक्य बनाकर लिखिए –

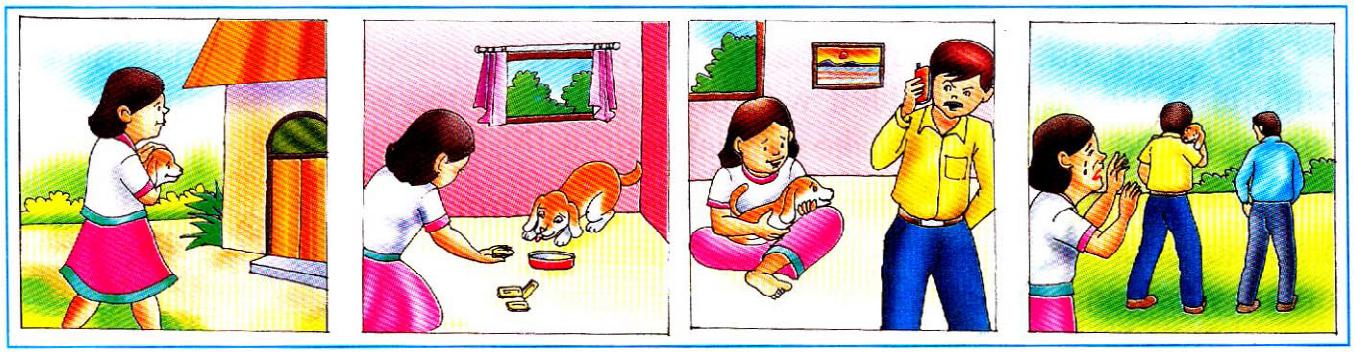

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

9. शिक्षक द्वारा बोले गए शब्दों को लिखिए –

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक टिप्पणी .....

.....

.....

.....

.....

शिक्षककानाम एवंहस्ताक्षर दिनांक : .....

विषय–हिन्दी (लिखित) कक्षा : 4 (कक्षा–3 के पाठ्यक्रम पर आधारित)

शाला का नाम : ..... रोल नं. : .....

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : .....

(I) पठन–कौशल

1. सही शब्द पर घेरा (O) लगाइए–

(i)	बिल्कूल	बीलकूल	बिल्कुल	बिलकुल
(ii)	क्यौंकि	क्यूंकि	क्योंकी	क्योंकि
(iii)	पृवत	पर्वत	पवर्त	प्रवत

2. चित्र के अनुसार सही वाक्य पर सही (✓) का निशान लगाइए–

(अ) नाव चला रहे आदमी हैं। ☐

(ब) आदमी नाव चला रहे हैं। ☐

(स) आदमी रहे चला नाव हैं। ☐

(द) नाव रहे आदमी चला हैं। ☐

3. चित्र के आधार पर दिए गए वाक्यों को सही क्रम में लगाइए –

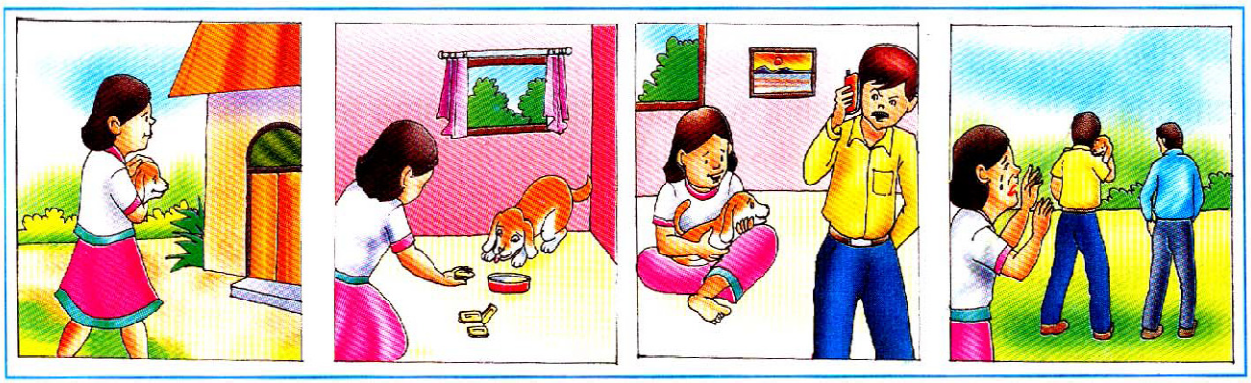

(1) शालिनी रो रही है क्योंकि दो बच्चे उसके पिल्ले को ले जा रहे हैं। ( )

(2) पिल्ला भूखा है शालिनी उसे खाना खिला रही है। ( )

(3) शालिनी पिल्ले को गोद में लेकर घर जा रही है। ( )

(4) शालिनी पिल्ले को गोद में लेकर सुला रही है। ( )

4. दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

बड़ा ही सुहाना दिन था। सूरज चमक रहा था और मंद–मंद हवा चल रही थी। ऐसे में 'पिग्गी' सुअर का जन्म हुआ था।

ठीक उसी समय, ऊपर आम के पेड़ पर एक अंडा फूटा था और उसमें से चिड़िया का बच्चा 'चूंचूं' निकला था। छोटे और कोमल 'चूंचूं' ने जब पैरों पर खड़े होने की कोशिश शुरू की, तब पिग्गी भी चलना सीख रहा था।

कुछ ही दिनों में, देखते ही देखते पिग्गी, यहाँ–वहाँ दौड़ने लगा और 'चूंचूं' भी उड़ना सीखने लगा। पिग्गी, चूंचूं को उड़ते देखता था। एक दिन वह अपनी माँ से बोला, 'जैसे चूंचूं किया करता है, वैसा मुझे भी सिखाओ।'

(अ) अनुच्छेद में सुअर का नाम क्या था?

(1) गिग्गी (2) मिग्गी (3) पिग्गी (4) फिग्गी

(ब) निम्न में से कौन–सा शब्द 'हवा' के लिए उपयोग में लिया जाता है –

(1) पानी (2) वायु (3) नीर (4) बादल

वाक्य में उत्तर लिखिए–

(स) अंडे में से क्या निकला था ?

.....

.....

.....

.....

.....

(द) पिग्गी अपनी माँ से क्या सिखाने को कहने लगा–

.....

.....

.....

.....

.....

(II) लेखन–कौशल

5. नीचे दिए गए शब्द की समान ध्वनि वाले शब्द बनाइए –

(अ) अंदर ....

(ब) कहाँ ....

6. दिए गए प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में लिखिए –

(अ) यदि आपको रास्ते में कोई तमाशा दिखाने वाला मिल जाए तो आप क्या करेंगे ?

.....

.....

.....

(ब) आपके विद्यालय में सफाई की व्यवस्था नहीं है, इसके लिए आप क्या करना चाहेंगे ? लिखिए।

.....

.....

.....

7. दिए गए चित्र के आधार पर एक छोटी कहानी लिखिए (5–6 वाक्यों में) –

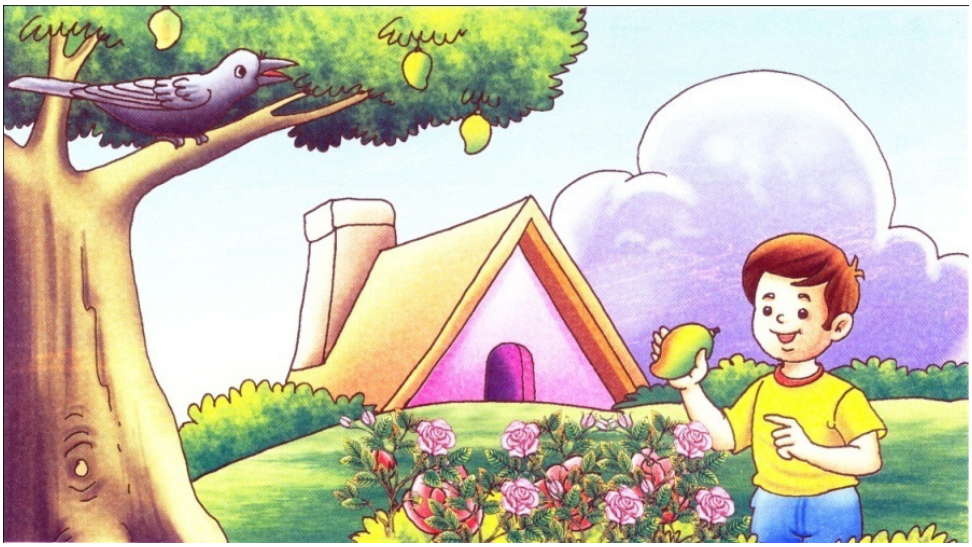

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

8. दिए गए वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए –

(अ) कल मैं और तुम घूमने चलेंगे

(ब) तुम कल स्कूल क्यों नहीं आई

9. शिक्षक द्वारा बोले गए शब्दों को लिखिए –

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक टिप्पणी .....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

विषय–हिन्दी (लिखित) कक्षा : 5 (कक्षा–4 के पाठ्यक्रम पर आधारित)

शाला का नाम : ..... रोल नं. : .....

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : .....

(I) पठन–कौशल

1. नीचे दिए गए शब्दों में से सही शब्द पर घेरा (○) लगाइए।

(i)	पहूँचना	पहुँचना	पुहुँचना	पहुचना
(ii)	प्रार्थना	प्रारथना	प्राथना	प्राथर्ना

2. दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही विकल्प पर सही ✓ का निशान लगाइए –

माधव और काजल के घर में दो छिपकलियाँ रहती थीं। एक छिपकली सफ़ेद रंग की थी। दूसरी छिपकली काले रंग की थी। दोनों छिपकलियाँ घर की दीवारों पर चिपकी रहती थीं। माधव और काजल को छिपकलियाँ अच्छी लगती थीं। उन्होंने छिपकलियों के नाम भी रख दिए थे।

वे सफ़ेद छिपकली को चुन्नी कहते थे। काली छिपकली का नाम मुन्नी था। चुन्नी और मुन्नी पूरे घर की दीवारों पर घूमती रहती थीं। वे एक–दूसरे के पीछे भागती रहती थीं। वे कभी–कभी छत पर उलटी चिपकी दिखाई देती थीं। काजल और माधव काम छोड़कर उन्हें देखते रहते थे। कभी–कभी चुन्नी गायब हो जाती थी। काजल उन्हें पूरे दिन ढूँढ़ती रहती थी।

(अ) छिपकलियों के नाम किसने रखे ?

(1) काजल ने (2) काजल और माधव ने (3) माधव ने (4)उनके मम्मी –पापा ने

(ब) गायब हो जाने के अर्थ से मिलता –जुलता शब्द है –

(1) सामने आ जाना (2) बाजार चले जाना (3) खो जाना (4) मिल जाना

पूरे वाक्य में उत्तर लिखिए।

(स) काजल चुन्नी और मुन्नी को क्यों ढूँढती थी?

.....

(द) इस अनुच्छेद को कोई शीर्षक (नाम) दीजिए –

.....

3. वाक्यों में उलटे–पुलटे (अक्रमिक) शब्दों को सही क्रम में लिखकर वाक्य शुद्ध कीजिए –

(अ) महत्त्व / खेलों / का / है / जीवन / में / बहुत

.....

(ब) बुद्धु / उसे / इतनी / बनाया / नहीं / जा / आसानी / से / सकता

.....

4. सही शब्द का चुनाव करते हुये रिक्त स्थान भरिए।

उगता, रोटी, बरसात, पूर्व, कपड़े

(अ) ..... के दिनों में अक्सर कीचड़ हो जाता है।

(ब) धोबी ..... धोते हैं।

(स) सूरज ..... दिशा से निकलता है।

(द) कुतर–कुतर कर चूहा ..... खा जाता है।

(II) लेखन–कौशल

5. नीचे लिखे शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

(अ) खूबसूरत :.....

(ब) साँझ :.....

6. दिए गए प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में स्पष्टता के साथ लिखिए –

(अ) यदि बरसात से लोगों के घरों को नुकसान हो जाए तो आप उनकी मदद कैसे करेंगे?

.....

.....

.....

.....

(ब) अगर आपके घर में बहुत कबाड़ हो जाए और कबाड़ी कबाड़ न ले जाए तो क्या होगा? आप उसके लिए क्या कर सकते हैं ?

.....

.....

.....

.....

7. दिए गए चित्र के आधार पर एक कहानी लिखिए – (8 से 10 वाक्यों में)

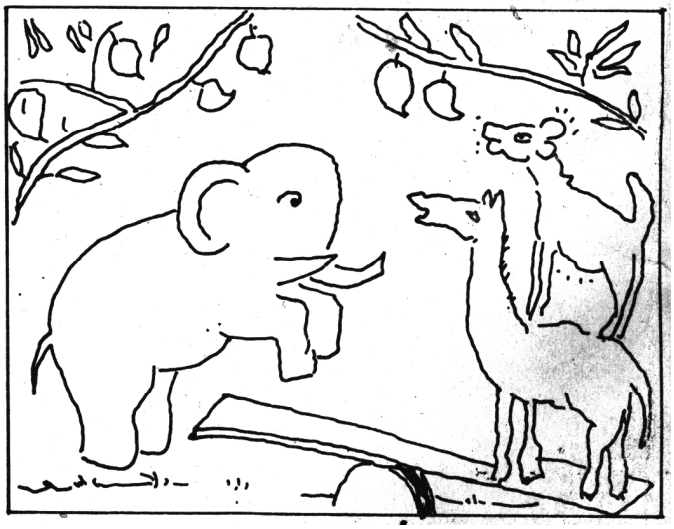

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

8. नीचे दिए गए वाक्य में उचित विराम चिह्नों (पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक एवं संबोधन चिह्न) का प्रयोग कर पुनः लिखिए –

अहा बहुत ही सुहावना मौसम है क्या इस समय हमें पक्षियों के झुंड दिखाई देंगे मैं उन्हें देखना चाहूँगी

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

9. शिक्षक द्वारा बोले गए वाक्यों को लिखिए –

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक टिप्पणी .....

.....

.....

.....

.....

शिक्षककानाम एवंहस्ताक्षर

दिनांक : .....

आकलन पत्रक चैकलिस्ट, प्रतिक्रियाएँ एवं टॉपशीट

8

प्रथम स्तर आकलन

कक्षा 2

लिखित प्रपत्र : संभावित प्रतिक्रियाएं एवं ग्रेडिंग					
क्र	कौशल	क्षमता/प्रश्न प्रकार	A	B	C
1	पढ़ना	चित्र के नाम की पहचान	सही शब्द को चिह्नित किया गया। **मटर, ताला, गुलाब**	दो सही करने पर।	एक सही करने पर
2	पढ़ना	वर्ण की पहचान चित्र के माध्यम से	सही वर्ण को चिह्नित किया गया। **क, अ, त**	दो सही करने पर।	एक सही करने पर
3	पढ़ना	सही वर्तनी शब्द की पहचान	**घास, कछुआ, मदारी**	दो सही करने पर।	एक सही करने पर
4	पढ़ना	चित्र की सहायता से वाक्य पठन	सही वाक्य का चयन करने पर – **यह एक आम है।, यह एक शेर है। ये दो मछलियाँ हैं।**	दो सही करने पर।	एक सही करने पर
5	लिखना	वर्णमाला की पहचान	दिए गए निर्देश के अनुसार सम्पूर्ण वर्णमाला के अक्षर लिखने पर – **इ, उ, ग, घ, ठ, ढ, थ, ध, ब, म य**	लगभग 6 से 9 वर्णों को दिए गए क्रमानुसार ठीक लिखा गया।	लगभग 2 से 6 वर्ण ही क्रमानुसार लिखे गए।
6	लिखना	चित्र का नाम लिखना।	सभी नाम ठीक से बिना किसी प्रकार की अशुद्धियों के लिखने पर। **घर, टमाटर, सूरज, पपीता**	बिना मात्रा वाले शब्द व दो मात्रा के शब्दो को सही लिखने पर	केवल बिना मात्रा के शब्द को लिखा गया अन्य में ज्यादा अशुद्धियाँ की गई । जैसे – सुरज, टमार, टमटर, पपिता, गर...।
7	लिखना	समान ध्वनि वाले शब्दों को लिखना (तुकबंदी)	दोनों प्रकार की ध्वनियों के शब्दों का लेखन करने पर । **जैसे – ताला/ बाला/जाला/पाला, काम/जाम/नाम/ पाम/धाम.....**	एक प्रकार की ध्वनि वाले शब्दों के लेखन पर या एक–एक शब्द ही लिखने पर।	अशुद्धियों के साथ लिखने पर।
8	लिखना	चित्र को देखकर वाक्य लेखन करना।	स्पष्ट व चित्र के अनुसार वाक्य लेखन करने पर । जैसे –**यह घोड़ा है/ घोड़ा दौड़ रहा है/ घोड़ा नीचे देख रहा है।घोड़ा भाग रहा है/घोड़ा दौड़ता है।**	वाक्य अशुद्धियों के साथ पूरा लिखा गया। जैसे –घोड़ा को गोड़ा/घोडा । दौड़ को दोड़। रहा को रा ... आदि।	वाक्य का स्वरूप ही उभर कर नहीं आया। कुछ शब्दों को ही लिखा गया।

कक्षा –3

लिखित प्रपत्र : संभावित प्रतिक्रियाएं एवं ग्रेडिंग					
क्र	कौशल	क्षमता/प्रश्न प्रकार	A	B	C
1	पढ़ना	चित्र के नाम की पहचान	सही शब्द को चिह्नित किया गया। **पेड़, बिल्ली, हवाई जहाज**	दो सही करने पर।	एक सही करने पर
2	पढ़ना	सही वर्तनी शब्द की पहचान	**ढोलक, मौसमी, खिलौने** को चिह्नित किया गया।	दो सही करने पर।	एक सही करने पर
3	पढ़ना	शब्द समूह की पहचान	सही शब्द का चुनाव किया गया। **करेला, पंखा, कुर्सी**	दो सही करने पर।	एक सही करने पर
4	पढ़ना	चित्र की सहायता से वाक्य पठन	सही वाक्य का चयन करने पर – **चिड़िया डाल पर सो रही है/ चिड़िया डाल पर बैठी है।** इनमें से एक या दोनों। **सीता झूला झूल रही है।** **लड़का बॉल से खेल रहा है।**	दो सही करने पर।	एक सही करने पर
5	लिखना	शब्दों का वाक्य में प्रयोग	सही वाक्य संरचना के साथ दोनों शब्दों का प्रयोग बिना किसी वर्तनीगत अशुद्धी के किया गया। जैसे 1– **हम बाँसुरी बजाते हैं।(/कृष्ण/मैं/ किसी का भी नाम) बाँसुरी बजाता है/हूँ। बाँसुरी बाजार में/गलियों में/ दुकान में मिलती है। बाँसुरी पैसों/रुपयों से खरीद कर लाते हैं। हमारे स्कूल में बाँसुरी है/मुझे बाँसुरी बजाना अच्छी लगता है।....आदि।** **2. हम सुबह सैर करने जाते हैं।/ मेरे पापा/मम्मी/भाई सैर पर जाते हैं। हम छुट्टी के दिन सैर करने जाते हैं।हम दूर–दूर तक सैर करने जाते हैं।हम पूरी जगह की सैर करते हैं। हम नाव की सैर करते हैं।...आदि।**	दोनों या एक शब्द का वाक्य बनाया गया लेकिन वर्तनीगत अशुद्धता के साथ । (वाक्य संरचना ठीक हो और कुछ शब्दों में मात्रा/वर्ण संबंधी) **जैसे –** **1 हम बांसूरी बजाते है।/ मेरे घर में एक बाँसूरि है।/** **2. हम साम को सेर करते है।... आदि।**	वाक्य संरचना व शब्द को संदर्भ के अनुसार ठीक से प्रयोग नहीं किया गया। **जैसे – बाँसुरी लाता बजाता। / बासूरि ।** **सेर आता है।/सेर जंगल में रेता है।... ... आदि।**
6	लिखना	समान ध्वनि वाले शब्दों का लेखन (तुकबंदी)	दोनों प्रकार की ध्वनियों के शब्दों का लेखन करने पर । **जैसे – अकड़ी–मकड़ी/ककड़ी/तगड़ी/ झगड़ी/लकड़ी..... ।** **मक्का/ बक्का सक्का/** **लक्का/कक्का/चक्का**	एक प्रकार की ध्वनि वाले शब्दों के लेखन पर या एक–एक शब्द ही लिखा गया।	अशुद्धियों के साथ लिखा गया। मकड़ि/तगड़ि.... आदि। जचचा/बचचा.. आदि।
7	लिखना	प्रश्नों के उत्तर लिखना।	दोनों प्रश्नों के शुद्धता के साथ पूरे–पूरे वाक्य में उत्तर लिखे गए। **अ– दूध बेचने वाले को दूधवाला कहते हैं।** **ब– मैं ..... विद्यालय/ विद्यालय में पढ़ता/पढ़ती हूँ।**	एक प्रश्न का पूरे वाक्य में उत्तर लिखने पर या दोनों प्रश्नों के एक –एक शब्द में सही उत्तर लिखे गए। **दूधवाला।** **विद्यालय का नाम.**	गलत उत्तर लिखने पर और उत्तर लेखन प्रारूप की समझ नहीं है।
8	लिखना	चित्र को देखकर क्रम से वाक्य लेखन करना।	स्पष्ट व चित्र के क्रमानुसार वाक्यों को लिखा गया। लेखन करने पर । जैसे – **चित्र** 1. **लड़की / या कोई नाम भी लिखा हो सकता है पिल्ले/बिल्ली/कुत्ता/बकरी को गोद में लेकर जा रही है/ पकड़ कर जा रही है/ गोद में पकड़ रखा है। गोद में पकड़ कर अपने घर जा रही है।** **चित्र 2 – लड़की..... को दूध/चाय/पानी पिला रही है/खाना खिला रही है।/ घर पर जाकर उसने कुत्ते को दूध पिलाया।** **चित्र 3 – लड़की..... को गोद में सुला रही है, उसके पापा/भाई/एक आदमी उसे देख रहा है/फोन पर बात कर रहा है/लड़की कुत्ते को लेकर बैठ गई.....।** **चित्र 4– लड़की रो रही है, दो आदमी उसके ..... को छीन कर ले गएः फिर दो लड़कों न उसका कुत्ता ले लिया.... आदि।**	कुछ चित्रों से संबंधित वाक्यों को ही न्यूनतम अशुद्धियों के साथ पूरा –पूरा लिखा गया है। / सभी चित्रों के बारे में लिखा गया लेकिन न्यूनतम वर्तनीगत अशुद्धियों के साथ।	वाक्य लिखने का प्रयास है पर पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हैं। चित्र के अनुसार कम लिखा गया। चित्रों में से एक–दो के नाम ही लिखे गए।

लिखित प्रपत्र : संभावित प्रतिक्रियाएं एवं ग्रेडिंग					
क्र	**कौशल**	**क्षमता/प्रश्न प्रकार**	**A**	**B**	**C**
1	पढ़ना	वर्तनी सही शब्द की पहचान	**बिल्कुल, क्योंकि, पर्वत** को चिह्नित किया गया।	दो सही करने पर।	एक सही करने पर
2	पढ़ना	चित्र की सहायता से सही वाक्य पठन	सही वाक्य का चयन करने पर – **आदमी नाव चला रहे हैं।**	–	–
3	पढ़ना	चित्र के अनुसार वाक्यों की क्रमिकता को पहचानना।	सभी वाक्य सही क्रम में लगाए गए। **सही क्रम – 3,2,4,1**	दो या तीन वाक्यों का क्रम सही रखा गया।	एक ही वाक्य को सही क्रम दिया गया।
4	पढ़ना	अनुच्छेद पढ़कर समझना और प्रश्नोत्तर हल करना।	सभी प्रश्नों को सही उत्तरित किया गया। **अ– 3, ब– वायु, स– अण्डे में से चिड़िया का बच्चा निकला, द– पिग्गी अपनी माँ से उड़ना सिखाने को कह रहा था।**	दो–तीन सही उत्तरित किए गए।	एक ही सही उत्तरित किया गया।
5	लिखना	समान ध्वनि के शब्दों की संरचना करना।(तुकबंदी)	दोनों शब्दों के लिए सही वर्तनी के साथ शब्दों का लेखन किया गया। **जैसे – बंदर, चंदर,समंदर, कलंदर...। यहाँ, वहाँ, जहाँ..।**	एक प्रकार की ध्वनि वाले शब्दों के लेखन पर या एक–एक शब्द ही लिख गया।	अशुद्धियों के साथ लिखा गया। **बनदर, चनदर..। जहां,वहां.....।**
6	लिखना	प्रश्नों के उत्तर लिखना।	दोनों प्रश्नों के शुद्धता के साथ पूरे–पूरे वाक्य में विस्तार से विचारों का लेखन किया गया। **जैसे– अ– यदि हमको/मुझे रास्ते में कोई तमाशा दिखाने वाला मिल जाए तो मैं /हम उसके तमाशे को देखने लग जाएंगे। / उसके साथ ातचीत करेंगे/ उससे पूछेंगे कि वो ये तमाशा क्यों दिखाते हैं/ तमाशा दिखाना कहाँ से सीखा/ किसने सिखाया। ब– हमारे विद्यालय में सफाई की व्यवस्था बन सके इसके लिए हम बच्चों की टोलियाँ/ समूह बनाकर जिम्मेदारी को बाँटेंगे/ सुबह के समय झाड़ू हम खुद/स्वयं लगाएंगे/कक्षा में गंदगी न हो इसके लिए डस्टबिन रखेंगे/ कागजों को इधर–उधर नहीं फेंकेंगे.....।**	एक प्रश्न का पूरे वाक्य में उत्तर लिखा गया। दोनों वाक्यों का संक्षिप्त में ही उत्तर लिखा गया। कुछ आंशिक वर्तनीगत अशुद्धियों के साथ।	कुछ–कुछ अस्पष्टता के साथ उत्तर लिखने का प्रयास किया गया। बहुत ज्यादा अशुद्धियों के साथ लेखन रहा।
7	लिखना	चित्र को देखकर 5 से 6 वाक्यों की छोटी कहानी लेखन करना।	चित्र में दर्शाए अनुसार कहानी की रूपरेखा,घटनाक्रम का बढ़ता स्वरूप, पिछली बात से अगली बात का जुड़ाव, कहानी का अन्त स्वाभाविक ढंग से किया गया है एवं व्याकरणिक दृष्टि से शब्दों एवं वाक्य संरचना का बेहतर प्रदर्शन किया गया है।	अलग –अलग वाक्यों के रूप में सही वाक्य विन्यास के साथ लिखा गया है।	कुछ – कुछ शब्दों को लिख है व लेखन में अस्पष्टता रही है।
8	व्याकरण	विराम चिह्नों की पहचान व उपयोग।	दोनों वाक्यों में सही विराम चिह्न का प्रयोग किया गया। **अ) ।, ब) ?**	एक ही वाक्य में सही विराम चिह्न का उपयोग किया गया।	दोनों में गलत प्रयोग किया।

कक्षा –5

लिखित प्रपत्र : संभावित प्रतिक्रियाएं एवं ग्रेडिंग					
क्र	**कौशल**	**क्षमता/प्रश्न प्रकार**	**A**	**B**	**C**
1	पढ़ना	वर्तनी सही शब्द की पहचान	**पहुँचना, प्रार्थना** को चिह्नित किया गया।	एक सही व एक गलत	–
2	पढ़ना	अनुच्छेद पढ़कर समझना और प्रश्नोत्तर हल करना।	सभी प्रश्नों को सही उत्तरित किया गया। **अ– 2, ब– 3, स– काजल चुन्नी व मुन्नी को इसलिए ढूँढती थी क्योंकि उसे वे अच्छी लगती थी, द– संदर्भ के अनुसार लिखा गया शीर्षक .....**	दो – तीन सही उत्तरित किए गए।	एक ही सही उत्तरित किया गया।
3	पढ़ना	वाक्य संरचना	दोनों को वाक्य संरचना की दृष्टि से सही किया गया । **अ– जीवन में खेलों का बहुत महत्त्व है।/ खेलों का जीवन में बहुत महत्त्व है।** **ब– बुद्धु उसे इतनी आसानी से नहीं बनाया जा सकता।/ उसे इतनी आसानी से बुद्धु नहीं बनाया जा सकता।**	एक वाक्य को सही लिखा गया।	–
4	पढ़ना	वाक्यों के लिए उपयुक्त शब्दावली का इस्तेमाल	सभी के लिए उपयुक्त शब्दों का चयन किया गया। **अ. बरसात, ब. कपड़े, स. पूर्व, द. कपड़े / रोटी**	दो या तीन के लिए उपयुक्त शब्दावली का चयन किया गया।	एक ही के लिए सही चुनाव किया गया ।
5	लिखना	शब्दों का वाक्य में प्रयोग	सही वाक्य संरचना के साथ दोनों शब्दों का प्रयोग बिना किसी वर्तनीगत अशुद्धी के किया गया। **जैसे – अ – आज का नजारा बहुत ही खूबसूरत है।/ तुम्हारा /तुम्हारी / सूट /कमीज..... बहुत खूबसूरत है।/ वह/मैं खूबसूरत हूँ।** **ब– हम सब साँझ के समय घूमने जाते हैं।/साँझ में सभी अपने–अपने घर लौटते हैं/ साँझ को हम/मैं स्कूल से घर आते हैं।.....।**	दोनों या एक शब्द का वाक्य बनाया गया लेकिन वर्तनीगत अशुद्धता के साथ । (वाक्य संरचना ठीक हो और कुछ शब्दों में मात्रा/वर्ण संबंधी)	वाक्य संरचना व शब्द को संदर्भ के अनुसार ठीक से प्रयोग नहीं किया गया।
6	लिखना	प्रश्नों के उत्तर लिखना।	दोनों प्रश्नों के शुद्धता के साथ पूरे–पूरे वाक्य में विस्तार से विचारों का लेखन किया गया। **जैसे– अ– यदि बरसात से लोगों के घरों को नुकसान हो जाए तो मैं उनको अपने घर में शरण दूँगा/दूँगी।/ उनकी मदद के लिए सरकार के पास जाऊँगा।/ लोगों से मदद माँगूगा/ उनके लिए अन्न, कपड़े आदि की व्यवस्था करूँगा/करूँगी / मैं सबके घरों को पक्का करवाऊँगी...।** **ब– मेरे घर में कबाड़ होने पर यदि कबाड़ी कबाड़ लेने नहीं आता तो मैं खुद कबाड़ को कबाड़ी की दुकान में जाऊँगा/जाऊँगी।/ मैं उस कबाड़ को बाहर ले जाकर जला दूँगा।/ अपने घर वालों की मदद से दूर किसी स्थान में ले जाऊँगा जहाँ गड्ढे में उसको बंद कर दूँगा/दूँगी/ कुछ कबाड़ को काम में ले लेगें/ यदि किसी के काम आ सकता हो तो उसे दे देंगे.....।**	एक प्रश्न का पूरे वाक्य में उत्तर लिखा गया। दोनों वाक्यों का संक्षिप्त में ही उत्तर लिखा गया। कुछ आंशिक वर्तनीगत अशुद्धियों के साथ।	कुछ–कुछ अस्पष्टता के साथ उत्तर लिखने का प्रयास किया गया। बहुत ज्यादा अशुद्धियों के साथ लेखन रहा।
7	लिखना	चित्र को देखकर 8 से 10 वाक्यों की छोटी कहानी लेखन करना।	चित्र में दर्शाए अनुसार कहानी की रूपरेखा, घटनाक्रम का बढ़ता स्वरूप, पिछली बात से अगली बात का जुड़ाव, कहानी का अन्त स्वाभाविक ढंग से किया गया है एवं व्याकरणिक दृष्टि से शब्दों एवं वाक्य संरचना का बेहतर प्रदर्शन किया गया है।	अलग – अलग वाक्यों के रूप में सही वाक्य विन्यास के साथ लिखा गया है।	कुछ – कुछ शब्दों को लिख है व लेखन में अस्पष्टता रही है।
8	व्याकरण	विराम चिह्नों की पहचान व उपयोग।	दोनों वाक्यों में सही विराम चिह्न का प्रयोग किया गया। **अहा ! बहुत ही सुहावना मौसम है। क्या इस समय हमें पक्षियों के झुंड दिखाई देंगे ? में उन्हें देखना चाहूँगी।**	एक ही स्थान पर सही विराम चिह्न का उपयोग किया गया।	सभी जगह गलत प्रयोग किया।

नोट :– जिन प्रश्नों को नहीं किया गया है उनके लिए N.A. लिखा जाए।

स्कूल का नाम : ..... नामांकित कक्षा : .....

आधार रेखा आकलन सत्र : ..... मौखिक टॉप शीट : हिन्दी

क्र. स.	नाम	आकलित कक्षा	सुनकर समझना	आकलित कक्षा	आत्मविश्वास के साथ बोलना		आकलित कक्षा	समझकर पढ़ना			आकलित कक्षा	लेखन		
								उच्चारण	धारा प्रवाहिता	प्रश्नोत्तर		शब्द बनावट	शब्द अंतराल	वर्तनी
1.														
2.														
3.														
4.														
5.														
6.														
7.														
8.														
9.														
10.														
11.														
12.														
13.														
14.														

क्र. स.	नाम	आकलित कक्षा	सुनकर समझना	आकलित कक्षा	आत्मविश्वास के साथ बोलना		आकलित कक्षा	समझकर पढ़ना			आकलित कक्षा	लेखन		
								उच्चारण	धारा प्रवाहिता	प्रश्नोत्तर		शब्द बनावट	शब्द अंतराल	वर्तनी
15.														
16.														
17.														
18.														
19.														
20.														
21.														
22.														
23.														
24.														
25-														
26-														
27-														
28-														
29-														
30-														

मौखिक एवं लिखित समेकित टॉपशीट

विषय : हिन्दी कक्षा :2

क्र.	कौशल	दक्षताएँ/क्षमताएँ	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35
1	सुनना समझना और बोलना	छोटी एवं सरल कविता/बालगीत/कहानी को सहजता के साथ सुनाना।																																			
		मौखिक रूप से प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में देना।																																			
2	समझकर पढ़ना	वर्णमाला के वर्णों की पहचान करना।																																			
		चित्रों के माध्यम से नामों की पहचान करना।																																			
		शब्दों में निहित अक्षरों की पहचान करना।																																			
		वर्तनी की दृष्टि से शब्दों को पढ़ना																																			
		बिना चित्र व चित्र की सहायता से वाक्य पढ़ना																																			
3	समझकर लिखना	सुनकर सही वर्तनी के साथ शब्दों को लिखना																																			
		चित्र देखकर नाम लिखना																																			
		वर्णमाला के छूटे अक्षरों को लिखना																																			
		समान ध्वनि युक्त शब्दों को लिखना																																			
		चित्र के आधार पर वाक्य सृजन कर लिखना।																																			

हस्ताक्षर शिक्षक हस्ताक्षर संस्था प्रधान

मौखिक एवं लिखित समेकित टॉपशीट

विषय : हिन्दी कक्षा : 3

क्र.	कौशल	दक्षताएँ/क्षमताएँ	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35
1	सुनना समझना और बोलना	छोटी एवं सरल कविता/ बालगीत/ कहानी को सहजता के साथ सुनाना।																																			
		मौखिक रूप से प्रश्नों के पूरे वाक्य में उत्तर देना।																																			
2	समझकर पढ़ना	अनुच्छेद का सस्वर पठन करना।(सभी मात्रा, अनुस्वार,अनुनासिक एवं संयुक्ताक्षर संबंधी)																																			
		चित्रों के माध्यम से नामों की पहचान करना।																																			
		शब्द समूह की पहचान करना।																																			
		वर्तनी की दृष्टि से मात्रायुक्त शब्दों को पढ़ना																																			
		चित्र की सहायता से वाक्य पढ़ना																																			
3	समझकर लिखना	सुनकर सही वर्तनी के साथ शब्दों को लिखना।																																			
		शब्दों का वाक्य में प्रयोग करना।																																			
		समान ध्वनि युक्त शब्दों को लिखना।																																			
		प्रश्नों का पूरे वाक्य में उत्तर लिखना।																																			
		चित्र के आधार पर वाक्य सृजन कर लिखना।																																			

हस्ताक्षर शिक्षक हस्ताक्षर संस्था प्रधान

मौखिक एवं लिखित समेकित टॉपशीट

विषय : हिन्दी कक्षा : 4

क्र.	कौशल	दक्षताएँ/क्षमताएँ	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35
1	सुननासमझना औरबोलना	मौखिक रूप से प्रश्नों के पूरे वाक्य में उत्तर देना।																																			
2	समझकर पढ़ना	सभी मात्राओं, अनुस्वार, अनुनासिक व संयुक्ताक्षर शब्दों से युक्त अनुच्छेद का उचित गति,लय के साथ सस्वर पठन करना।																																			
		वर्तनी की दृष्टि से संयुक्ताक्षर शब्दों को पढ़ना																																			
		वाक्यों को संदर्भ के अनुसार समझकर पढ़ना एवं उनकी क्रमिकता को ठीक से अभिव्यक्त करना।																																			
		पठित सामग्री से संबंधित प्रश्नों को लिखित में पूरे–पूरे वाक्यों में अपने विचारों के साथ अभिव्यक्त करना।																																			
3	समझकर लिखना	समान ध्वनि युक्त शब्दों को लिखना।																																			
		प्रश्नों का पूरे वाक्य में स्वयं के विचार के साथ उत्तर लिखना।																																			
		पूर्ण विराम व प्रश्न वाचक चिह्नों को समझ के साथ प्रयोग करना।																																			
		चित्र के आधार पर 5 से 6 वाक्यों में सृजनात्मक लेखन करना।																																			
		सुनकर मात्रायुक्त, संयुक्ताक्षर, अनुस्वार, अनुनासिक शब्दों का सही वर्तनी के साथ लेखन करना।																																			

हस्ताक्षर शिक्षक हस्ताक्षर संस्था प्रधान

मौखिक एवं लिखित समेकित टॉपशीट

विषय : हिन्दी कक्षा : 5

क्र.	कौशल	दक्षताएँ/क्षमताएँ	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35
1	सुनना समझना और बोलना	मौखिक रूप से प्रश्नों के पूरे वाक्य में उत्तर देना।																																			
2	समझकर पढ़ना	सभी मात्राओं, अनुस्वार, अनुनासिक व संयुक्ताक्षर शब्दों से युक्त अनुच्छेद का उचित गति,लय के साथ पढ़कर समझना।																																			
		वर्तनी की दृष्टि से शब्दों को पढ़ना।																																			
		वाक्य संरचना की दृष्टि से सही वाक्य संरचित करना																																			
		वाक्यों के लिए उपयुक्त शब्दावली का इस्तेमाल करना।																																			
		पठित सामग्री से संबंधित प्रश्नों को लिखित में पूरे–पूरे वाक्यों में अपने विचारों के साथ अभिव्यक्त करना।																																			
3	समझकर लिखना	शब्दों का वाक्यों में उचित प्रयोग करना।																																			
		प्रश्नों का पूरे वाक्य में स्वयं के विचार के साथ उत्तर लिखना।																																			
		पूर्ण विराम, प्रश्न वाचक एवं संबोधन कारक चिह्नों को समझ के साथ प्रयोग करना।																																			
		चित्र के आधार पर 8 से 10 वाक्यों में सृजनात्मक लेखन करना।																																			
		सुनकर मात्रायुक्त, संयुक्ताक्षर, अनुस्वार, अनुनासिक शब्द युक्त अनुच्छेद लिखना।																																			

हस्ताक्षर शिक्षक हस्ताक्षर संस्था प्रधान